



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 13] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 28, 1992 (चैत्र 8, 1914)
No. 13] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 28, 1992 (CHAITRA 8, 1914)

(इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके)
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं	भाग II—खण्ड-3—उप-खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी अधिष्ठित पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)
277	*
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश
367	*
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
5	321
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	भाग III—खण्ड 2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस
467	369
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
*	*
भाग II—खण्ड 1-क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	भाग III—खण्ड 4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं
*	683
भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के विन तथा रिपोर्ट	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस
*	53
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को इकट्ठा करने वाला अनुपूरक
*	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	
*	

CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court.	277	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (III)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, Published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administration of Union Territories)	•
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	367	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	•
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	5	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	321
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	467	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	369
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	•	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	•
PART II—SECTION 1-A—Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	•	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	683
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	•	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	53
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (I)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	•	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	•
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (II)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	•		

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च 1992

सं० 17-प्रेस/92—राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को “सर्वोत्तम जीवन रक्षक पदक” देने की स्वीकृति प्रदान करते हैं :—

1. श्री रबूभा दमूभा गोहिल (मरणोपरांत)
गांव व डाकघर थलसर,
तालुका भावनगर,
जिला भावनगर, गुजरात

23 जुलाई, 1990 को “दिवासा” के अवसर पर, श्रावण मास के पहले दिन, बहुत सी युवा लड़कियां समुद्र स्नान के लिए गई हुई थी। वे उधने पानी में खेल रही थी। अचानक पानी का स्तर बढ़ गया और लड़कियां गहरे पानी में बह गई। वे अपनी जान के लिए अूझ रही थी और मदद के लिए चिल्ला रही थी। उनकी पुकार सुनकर श्री रबूभा दमूभा जो नजदीक ही थे उनके बचाव के लिए भागे। वे तुरन्त समुद्र में कूब गए और असहाय लड़कियों को एक-एक करके बचाना शुरू किया। बार-बार समुद्र में जाकर वे आठ लड़कियों को बचाने में सफल हुए। उन्होंने बचाया 3 लड़कियों को बचाने की भी कोशिश की, मगर थक कर चूर हो चुकने के कारण कामयाब नहीं हुए। इस बचाव कार्रवाई में वे इतने थक चुके थे कि वे समुद्र में ही गिर गए और गांव वासियों ने उन्हें पानी से बाहर निकाल कर अस्पताल पहुंचाया। लेकिन काश, वे अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ चुके थे।

श्री रबूभा दमूभा ने डूबती हुई 8 लड़कियों की जान बचाने में अदभुत साहस और तत्परता का परिचय दिया। बचाया 3 लड़कियों को बचाने की कोशिश में उन्होंने अपने प्राण न्योछावर कर दिए।

2. कुमारी सुरमेश (मरणोपरांत)
सुपुत्री श्री जय सिंह,
गांव बैत्रा,
तहसील कुमेर, जिला भरतपुर,
राजस्थान।

23 जुलाई 1990 को कुमारी सुरमेश अपने साथ पढ़ने वाली सहेलियों के साथ तालाब पर नहाने के लिए गई। नहाते हुए 5 लड़कियां डूबने लगी। कुमारी सुरमेश ने तालाब में छलांग लगाई और 3 डूबती हुए लड़कियों को एक-एक करके पानी से बाहर निकाल लाई। बचाया 2 लड़कियां जो गहरे पानी में पहुंच गई थी मदद के लिए चिल्ला रही थी। कुमारी सुरमेश उन्हें बचाने के लिए दुबारा तालाब में कूद गई। मगर डूबती हुई उन दोनों लड़कियों ने कुमारी सुरमेश को जकड़ लिया जिससे वे भी तैर नहीं सकी और उन दोनों लड़कियों के साथ तालाब में डूब गई।

कुमारी सुरमेश ने 3 लड़कियों की जान बचाने में अदभुत साहस का परिचय दिया और बचाया 2 लड़कियों को बचाने की कोशिश में अपने प्राण न्योछावर कर दिए।

सं० 18-प्रेस/92—राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को उत्तम जीवन रक्षक पदक देने की स्वीकृति प्रदान करते हैं :—

1. श्री चाऊ किगखुंग लांगखुंग
जवाहर नवोदय विद्यालय,
महादेव पुर, नामसई,
जिला लोहित, अरुणाचल प्रदेश,
पिन-792103

01 सितम्बर, 1990 को जवाहर नवोदय विद्यालय, महादेवपुर के 12 छात्र अपने शारीरिक स्वास्थ्य अध्यापक के साथ नाव-दोहिग नदी के किनारे से रेत इकट्ठी कर के लाने के लिए गए जो उन्हें खेल-कूद प्रतियोगिता के लिए स्कूल के मैदान में बिछानी थी। जब उन्होंने रेत इकट्ठी कर के लाय दी तो यह विद्यार्थी नदी पर नहाने के लिए गए। नहाते समय पानी के तेज बहाव में 3 विद्यार्थी बह गए। उन्हें बहते देख कर श्री चाऊ किगखुंग लांगखुंग उन्हें बचाने के लिए दौड़े। वे तुरन्त नदी में कूद गए और डूबते हुए एक बच्चे श्री संजय भारती को खेंच कर किनारे पर ले आए। दुसरी बार नदी में कूद कर उन्होंने एक दुसरे बच्चे श्री बाहिस बैलई को बचाया। उन्होंने तीसरे लड़के को बचाने की कोशिश भी की थी लेकिन उसे बूढ़ नहीं सके क्योंकि वह तेज धार में बह चुका था।

श्री चाऊ किगखुंग लागखुंग ने अपनी जान की परवाह न करते हुए दो डूबते हुए लड़कों को बचाने में अदभुत साहस और फुर्ती का परिचय दिया।

2. श्री अनिरुद्धसिंह जुवानसिंह जाला
गांव मेघपुर (जाला)
द्वारा टंकारा, तहसील मोरबी
जिला राजकोट, सौराष्ट्र,
गुजरात।

28 सितम्बर, 1988 को सौराष्ट्र का जाम खम्बालिया हलाका सिमहन नदी की बाढ़ में डूब गया और एक ट्रक जिसमें एक परिवार के 5 आदमी सवार थे, बाढ़ के पानी में फंस गया फंसे हुए सभी व्यक्ति मदद के लिए पुकार रहे थे। इस बीच द्वारिका से दरिया घाट जाती हुई राज्य परिवहन की एक बस वहां पहुंची। मामले की गंभीरता को देखकर बस का कण्डक्टर श्री अनिरुद्धसिंह जुवानसिंह जाला रुसेद उनके बचाव के लिए तुरन्त पहुंचा। वह बाढ़ के पानी में कूद गया और 2 व्यक्तियों को बाहर निकाल लाया। उसने बुझारा नदी में छलांग लगाई तथा एक बूढ़े तथा एक छोटे लड़के को बचाने में कामयाब हुआ। एक बच्चे की जान नहीं बचाई जा सकी और वह बहाव में बह गया था।

श्री अनिरुद्धसिंह जुवानसिंह जाला ने अपनी सुरक्षा की तनिक भी परवाह न करते हुए 4 व्यक्तियों को डूबने से बचाने में अदभुत साहस फुर्ती का परिचय दिया।

3. श्री रोडावला (मरणोपरांत)
मुपुत्र श्री सी० थांगजुवाला,
गांव तुवालटे, डाकघर खावजोल,
मिजोरम।

10 सितम्बर, 1990 को श्री रोडावला और उनके दो दोस्त सर्व श्री सपछावना और श्री संगतुअंगतुई कुई नदी पर मछली पकड़ने के लिए गए मछली पकड़ने के बाद वे शाम को घर लौट रहे थे श्री रोडावला ने पहले तैर कर नदी पार की और दुसरे किनारे पर पहुंच गए और अपने दोस्तों की इंतजार करने लगे लेकिन बवकिस्मती से जब उनके दोनों दोस्त नदी के बीचों-बीच पहुंचे तो अचानक बाढ़ आ जाने से पानी के तेज बहाव के कारण बह चले। सहायता के लिए उनकी पुकार सुन कर श्री रोडावला तुरन्त वापिस नदी में कूद गए और उन दोनों व्यक्तियों को जो अपने आपको डूबने से बचाने के लिए हाथ पैर मार रहे थे पकड़ने में सफल हुए। वे कामयाबी से उन्हें एक लकड़ी के गहतीर तक लाने में सफल हो गए जहां से तैर कर वे किनारे पर आ गए।

लेकिन जैसे ही उनके दोनों दोस्त तैर कर किनारे पहुंचे श्री रोडावला मछली पकड़ने के जाल में फंस गए जो उन्होंने अपने कंधों पर लपेटा हुआ था और जो पानी में खुल गया था। दिन के कड़े परिश्रम और अपने दोस्तों को बचाने के जोरदार प्रयास के कारण उनकी शक्ति क्षीण हो चुकी थी कि मछली

पकड़ने के जाल से अपने आपको छुड़ा पाने में वे सफल नहीं हुए और अन्त में डूब गए। श्री रोडावला ने अपने दो दोस्तों की जान बचाने में अदभुत साहस और फुर्ती का परिचय दिया मगर इस कार्रवाई में उन्हें अपनी जान से हाथ धोना पड़ा।

4. श्री राजेन्द्र सिंह (मरणोपरांत)
गांव भानरगांव,
पटवारी आराकामा,
डाकघर भगवाली पोखर,
तहसील रानीखेत, जिला अलमोड़ा,
उत्तर प्रदेश।

28 दिसम्बर, 1989 को उत्तर प्रदेश की एक बस को जो 45 सवारियों को ले कर रानीखेत से गारून जा रही थी, अचानक आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि सवारियों को आग लगी बस में से निकलने का कोई मौका नहीं मिला। इसमें 5 महिलाओं और 3 बच्चों समेत 14 व्यक्तियों की घटना स्थल पर मृत्यु हो गई।

श्री राजेन्द्र सिंह ने फंसे हुए लोगों की जानें बचाने का भर-सक प्रयास किया। धक्कती आग की तनिक भी परवाह न करते हुए उसने जलती हुई आग में प्रवेश किया और दो बच्चों को बस से निकाल लाए। वे दोनों बच्चों को तो बचाने में कामयाब हो गए लेकिन इस कार्रवाई में उन्हें अपने प्राण न्यौछावर करने पड़े।

श्री राजेन्द्र सिंह ने 2 असहाय बच्चों की जान बचाने में अद्वितीय साहस और फुर्ती का परिचय दिया मगर उन्हें अपने प्राण न्यौछावर करने पड़े।

5. जे०सी०-132555 सूबेदार पारस नाथ यादव
(मरणोपरांत)

गांव-मनसरिया डाक-गोरखपुर,
जिला-गोरखपुर,
उत्तर प्रदेश

12 मार्च, 1990 को मनसरिया गांव में 12 साल का एक लड़का रापती नदी में गिर गया और तेज धारा में बह चला हालांकि कई आदमियों ने इसे देखा लेकिन किसी ने असहाय बच्चे को बचाने के लिए आगे बढ़ने का साहस नहीं किया। सूबेदार पारस नाथ यादव मौक़ पर मौजूद था और उन्होंने लड़के की जान बचाने के लिए जफनती हुई नदी में तुरन्त छलांग लगाई। बड़ी मुश्किल से वे लड़के का पता लगा पाए, उसे अपनी पीठ पर लावा और किनारे की तरफ तैर कर आने लगे। नदी का किनारा क्योंकि बहुत दूर था, लड़के को अपनी पीठ पर लादे उन्होंने पानी के बहाव के साथ एक चट्टान की तरफ बढ़ना शुरू किया लेकिन पानी का बहाव बहुत तेज होने के कारण वे पत्थर की चट्टान को पकड़ कर नहीं रख पाए और उन्होंने लड़के को तुरन्त चट्टान पर चढ़ने में मदद की। चट्टान

पर चढ़ने के बाद लड़के ने अपने बचाने वाले की बाजू धामी ताकि पानी उसे बहा कर न ले जाए लेकिन पानी के अत्यन्त तेज बहाव के कारण वे उन्हें पकड़ कर नहीं रख सका जिससे थका हारा बचावकर्ता नदी में डूब गया। कुछ समय के बाद 2 नाविक वहां पहुंचे और उन्होंने जे० सी० ओ० और उस लड़के को बाहर निकाला। जे० सी० ओ० को तुरन्त स्थानीय स्वास्थ्य केन्द्र में ले जाया गया मगर तब तक उनकी मृत्यु हो चुकी थी।

सूबेदार पारसनाथ यादव ने 12 साल के एक लड़के की जान बचाने में अदभुत साहस और फुर्ती का परिचय दिया मगर इस कार्रवाई में उन्हें अपने प्राणों से हाथ धोने पड़े।

6. 66411009 सब इंस्पेक्टर करम सिंह,
92 बटालियन, सीमा सुरक्षा बल,
द्वारा 56 ए० पी० ओ०

24 मार्च, 1991 को 26 सवारियों को खलसी में हनुथांग ले जाती हुई एक बम जम्मू कश्मीर के लद्दाख जिले के अचीनाथांग गांव के निकट इंडम नदी में जा गिरी। बस नदी में डूब गई और उसके सारे मुसाफिर उसके अन्दर फंसे रह गए। सीमा सुरक्षा बल का एक सब इंस्पेक्टर करम सिंह जो उस बस में सवार था बस का एक शीशा तोड़ कर बम में से और नदी के पानी में से निकल कर बाहर आने में कामयाब हो गया और उसने अपने दम रस्सों से बम को लंगर डाला। फिर वह शून्य से भी कम तापमान में नदी में तैर कर बस तक गया और फंसे हुए मुसाफिरों को बाहर निकाला। उसने सभी 25 मुसाफिरों को अपने कंधों पर लाद कर एक-एक कर के बाहर निकाला। इसके लिए उसे 25 बार 25 फुट की दूरी तय कर के उन्हें बाहर लाना पड़ा जहां पानी की गहराई 8 से 10 फुट थी। उसने उन्हें फस्ट-एड दी और उनके जिस्म को गर्म रखा।

सब इंस्पेक्टर करम सिंह ने अपनी जान की तनिक भी परवाह न करते हुए 25 व्यक्तियों की जान बचाने में अनुकरणीय साहस और फुर्ती का परिचय दिया।

सं० 19-प्रेस/92—राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को जीवन रक्षा पदक प्रदान करने के लिए अनुमोदन करते हैं:—

1. श्रीमति मंगला लक्ष्मी,
सोमसिला ग्राम, कोलापुर मण्डल,
महबूबनगर जिला,
आंध्र प्रदेश।

11 मई, 1991 को तेज हवा चलने के कारण एक देशी नौका जिसमें मदगुल ग्राम के 11 व्यक्ति सवार थे, सोमसिला घाट पर कृष्ण नदी के बीच में फंस गई और सभी यात्री नदी में गिर पड़े। वे अपने जीवन से जूझ रहे थे और रक्षा के लिए चिल्ला रहे थे। श्रीमति मंगलालक्ष्मी ने, जो निकट ही गछली पकड़ रही थी उनकी क्लिताइट सुनी और अपनी देशी नौका में उनकी सहायतार्थ दौड़ी उसने डूबते हुए व्यक्तियों से से 9 व्यक्तियों को पकड़ लिया और किनारे तक ले आई।

श्रीमति मंगला लक्ष्मी ने अपने जीवन के खतरे की परवाह न करते हुए नौ व्यक्तियों की जान बचाने में उल्लेखनीय साहस और तपस्वता का परिचय दिया।

2. श्री धर्मवीर सिंह,
ग्राम तथा डाकघर किलोई खाम,
तहसील तथा जिला रोहतास,
हरियाणा।

21 मार्च, 1991 को श्रीमति शीला ने एक घरेलू झगड़ा होने के बाद अपने दो पुत्रों, 5 वर्षीय नीरज और 2 वर्षीय खुशीराम तथा 8 वर्षीय पुत्री के साथ घर छोड़ दिया और एक वीरान कुएं पर चली गई। गुस्से में आकर उसने अपने बेटों को कुएं में फेंक दिया और जब उसने अपनी बेटी को भी कुएं में फेंकना चाहा तो वह किसी तरह से बचकर भाग निकली और दिल्ली हिमालय राजमार्ग की ओर दौड़ी जो कुएं से करीब सौ फुट दूर था। इसी बीच में श्रीमति शीला भी आत्महत्या करने के लिए कुएं में कूद पड़ी। रीना वहां पर काम कर रहे कुछ मजदूरों की तरफ दौड़ी और उसने उन्हें पूरी घटना के बारे में बताया। श्री धर्मवीर सिंह और अन्य मजदूर तत्काल घटनास्थल की ओर दौड़े। श्री सिंह बच्चों और महिला को बचाने के लिए तुरन्त कुएं में कूद पड़े। उन्होंने डूबते हुए बच्चों को पकड़ लिया। उन्होंने एक बच्चे को अपने कंधे पर उठाया और दूसरे बच्चे को अपनी बांहों में ले लिया। इसी बीच में दूसरे मजदूरों ने कुएं में एक रस्सी लटका दी। श्री धर्मवीर सिंह ने अपने दूसरे हाथ से रस्सी को मज्जा में पकड़ लिया। मजदूरों ने रस्सी को ऊपर खींचा और जैसे ही धर्मवीर सिंह दो बच्चों के साथ कुएं से बाहर आने वाले थे, बच्चों में से एक बच्चा कुएं में गिर पड़ा। श्री धर्मवीर सिंह ने अपने साथी मजदूरों को कंधे पर बैठे बच्चे को सौंप दिया और बच्चे और उसकी मा की जान बचाने के लिए फिर कुएं में कूद पड़े। श्रीमति शीला ने विरोध किया लेकिन श्री सिंह बच्चे को सफलतापूर्वक कुएं से बाहर ले आए। वे श्रीमति शीला को बचाने के लिए कुएं में फिर कूदने ही वाले थे लेकिन तब तक वह डूब चुकी थी।

श्री धर्मवीर सिंह ने अपने जीवन के खतरे की परवाह न करते हुए दो निसहाय बच्चों का जीवन बचाने में अदम्य साहस का परिचय दिया।

3. श्री राजेश कुमार,
ग्राम खेरी,
उप तहसील मुजानपुर,
जिला हमीरपुर,
हिमाचल प्रदेश।

09 दिसम्बर, 1990 को एक नौका जो एक बारात को ले जा रही थी ब्रमन्नी नदी को समथार में फंस गई और यात्रियों का जीवन खतरे में पड़ गया। श्री राजेश कुमार, जो इस दुर्घटना को देख रहा था, उनकी ग्राह्यता के लिए दौड़ा। उन्होंने रस्सी के एक सिरे को अपनी कमर में बांध लिया और दूसरे सिरे को

किनारे पर बैठे एक व्यक्ति ने मजबूती से पकड़ लिया और नदी में कूद पड़ा तथा एक-एक करके नौ व्यक्तियों को बचा लिया। श्री राजेश कुमार ने अपने जीवन के खतरे की परवाह न करते हुए डूबते हुए नौ व्यक्तियों की जानें बचाने में अदम्य साहस और तत्परता का परिचय दिया।

4. श्री एन० लक्ष्मीया रेड्डी,
सं० 57, चाल्लाघाट,
यमलूर पोस्ट,
बंगलौर-560037

14 फरवरी, 1990 को एक इंडियन एयरलाइन्स एयरक्राफ्ट ए-320 बंगलौर के तिकट दुर्घटनाग्रस्त हो गया और एयरक्राफ्ट जमीन से टकराने के बाद आग का गोला बन गया। श्री एन० लक्ष्मीया रेड्डी ने, जो अपने घर वापस जा रहे थे इसे देखा और दुर्घटनास्थल की ओर दौड़े। उन्होंने अदम्य साहस और सूझबूझ के साथ जलते हुए एयरक्राफ्ट से 7 व्यक्तियों को खींच लिया जिसमें 3 बच्चे और एक महिला थी।

श्री लक्ष्मीया रेड्डी ने अपने जीवन के लिए गंभीर खतरे की परवाह न करते हुए 7 व्यक्तियों की जानें बचाने में उल्लेखनीय साहस, सूझबूझ तथा तत्परता का परिचय दिया।

5. श्री टी० अनिलकुमार,
पनककुजिमिल वीडू, मरूर,
मेल्लसेरो पी०ओ०—परासाओमगांव,
कोजेनेरी ताल्लुक,
पठनमधिट्टा जिला, केरल।

01-10-1989 को श्री सुदर्शन जब वह वयस्कता के अंश पर स्नान कर रहा था, अचानक नदी में गिर पड़ा और डूबने लगा। नदी में पहले दिन हुई लगातार वर्षा के कारण भारी बाढ़ आ रही थी और उखड़े हुए पेड़ भी नदी में तैर रहे थे जिससे बचाव कार्य कठिन हो गया था। इस खतरनाक स्थिति की परवाह किए बिना श्री अनिल कुमार उमरवी नदी में कूद पड़े और असहाय दुर्घटना के शिकार व्यक्तियों को बचाया।

श्री अनिल कुमार ने अपने जान की परवाह न करते हुए श्री सुदर्शन के जीवन को बचाने में अदम्य साहस और तत्परता का परिचय दिया।

6. मास्टर वी० के० जार्ज,
वेंगनाथनम,
चम्पाथल पी०ओ०,
चांगनेरी ताल्लुक,
कोट्टायम जिला,
केरल।

7. मास्टर पी० एस० सुजाल,
पलमपड़ाविल, हाउस,
चम्पाथल पी०ओ०,
चांगनेरी ताल्लुक,
कोट्टायम जिला,
केरल।

दो बहनें कुमारी सिनी तथा कुमारी सीमी, जो होली फैमिली यू० पी० स्कूल, इलागोई की छात्राएं थी, 21 जून, 1990 को स्कूल से घर वापस लौट रही थी। एक नहर के दोनों किनारे को जुड़ने वाले खजूर के एक तने से होकर जब वे नहर पार कर रही थी तो कुमारी सिनी का पैर फिसल गया और वह नहर में गिर गई। भारी वयो के कारण नहर में काफी बाढ़ आई हुई थी तथा तेज धाराएं चल रही थी तथा नहर में गिरी यह लड़की अपने जीवन के लिए संघर्ष कर रही थी। यह देखकर उसकी बड़ी बहन कुमारी सीमी अपनी बहन को बचाने के लिए नहर में कूद पड़ी लेकिन यह दोनों लड़कियां तेज धारा में लगभग 150 फीट बहकर एक भंवर की तरफ चली गई। इसी स्कूल का एक छात्र मास्टर सुजाल जो, उस तरफ से गुजर रहा था, ने इन लड़कियों की दशा देखी तथा उनकी सहायता के लिए वीडू पड़ा। उसने तुरन्त नहर में छलांग लगा दी और डूब रही लड़कियों को पकड़ लिया। इन लड़कियों के साथ वह पुल की तरफ लगभग 200 मीटर तक तैरा तथा वहां पहुंचकर उसने एक पौधे को पकड़कर विश्राम किया। इसी बीच कुमारी सिनी का हाथ इस पौधे से छूट गया और वह डूबने को होने लगी। इसी वक्त मास्टर जोज घटनास्थल पर पहुंचा तथा नहर में छलांग लगा दी। उसने सिनी को इस पौधे को फिर से पकड़ने में मदद की तथा इस प्रकार उसे डूबने से बचाया। इस समय तक वहां स्थानीय लोग इकट्ठे हो गए थे जिन्होंने इन चारों बच्चों को बचाया।

मास्टर जोज तथा मास्टर सुजाल ने अपनी जान की परवाह न करते हुए इन दोनों लड़कियों के जीवन को बचाने में अदम्य साहस एवं तत्परता का परिचय दिया।

8. कुमारी मुनीराह
सुपुली पल्लीपुरवन वीरन,
मान्यमंगलम, चैरीमथालमन्ना,
मल्लपपुरम जिला,
केरल।

ए० एम० एल० पी० स्कूल मनथमंगलम के कुछ छात्र 14-7-1990 को स्कूल से घर वापस लौट रहे थे। रास्ते में 5 वर्ष की एक बच्ची कुमारी मुनीना बिना घेरे बाले तथा पानी से लबालब 25 फीट गहरे कुएं में गिरी हुई थी। वह बच्ची अपने जीवन को बचाने के लिए संघर्ष कर रही थी। इसी स्कूल की 9 वर्षीया छात्रा कुमारी मुनीरा ने जब यह देखा तो वह तत्काल कुएं में कूद पड़ी तथा उसे पकड़ लिया। अन्य

छात्रों की सहायता से वह इस बच्ची को पानी से बाहर लाने में सफल हुई।

कुमारी मृगा ने अपनी जान की परवाह न करते हुए 5 वर्ष की बच्ची के जीवन को बचाने में अव्यय साहस एवं तत्परता का परिचय दिया।

9. श्री सुनील कुमार,
माजल हाउस, कंवरतीर्थ,
पी०ओ०-कुन्जानूर पीन कोड-671323
कासरगोड जिला, केरल

श्रावण अमावस्या के अवसर पर समुद्र में पवित्र स्नान करने के लिए सैकड़ों लोग कंवरतीर्थ के समुद्र तट पर 20 अगस्त 1990 को इकट्ठा हुए थे। 15 किशोरों का एक ग्रुप, समुद्र में स्नान कर रहा था तभी अचानक उनमें से 3 की समुद्री लहरें बहा ले गई। यह सड़के अपने जीवन को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे थे तथा डूबते जा रहे थे, हालाँकि उनकी दयनीय अवस्था को कई लोगों ने देखा लेकिन कोई भी इन डूबते बच्चों को बचाने के लिए आगे आने का साहस न कर सका। जब श्री सुनील कुमार ने यह देखा तो वह तत्काल उनकी सहायता को दौड़ पड़े। उन्होंने समुद्र में छलांग लगाई तथा एक-एक करके तीनों किशोरों को बचा लिया।

श्री सुनील कुमार ने अपनी जान की परवाह न करते हुए इन तीन डूबते हुए किशोरों की जान बचाने में अव्यय साहस का परिचय दिया।

10. श्री बर्गिस थोमस (सुनील)
अम्बाला भूमकल हाउस,
वरियापुरम, इल्लनतूर ईस्ट,
पटनमथित्ता जिला,
केरल।

27 अगस्त, 1990 को एक पागल कुत्ता एक चार वर्ष के बच्चे के पीछे दौड़ रहा था तथा कुछ लोग इसे कुत्ते को भगाने का प्रयास कर रहे थे। श्री बर्गिस थोमस ने जब यह देखा तो उन्हें खतरे का भान हुआ तथा वे वहाँ दौड़ पड़े। उन्होंने कुत्ते को कान से पकड़ लिया तथा इसके चेहरे को जमीन पर दबा दिया। इस बीच स्थानीय लोग वहाँ पहुँच गए तथा कुत्ते को मार डाला। इस क्रम में श्री बर्गिस कुत्ते के काटने से घायल हो गए।

श्री बर्गिस थोमस ने पागल कुत्ते से एक बच्चे को बचाने में असाधारण साहस तथा तत्परता का परिचय दिया।

11. श्री पी० एम० मैथ्यू,
पल्लीथाडे हाउस,
चालूकुसू, कोट्टायम,
केरल।

श्रीमती ओमाना कपड़े धोते वक्त 16-7-1990 को अचानक “अच्युट्टी कान्जीरामथोडे” नामक नहर में गिर गई। नहर में काफी

बाड़ आई हुई थी तथा तेज धारा बह रही थी। वह अपना जीवन बचाने के लिए संघर्ष कर रही थी तथा डूबती जा रही थी। पास ही खड़ी एक लड़की ने उसकी इस दुर्दशा को देखा तथा सहायता के लिए चिल्लाने लगी। हालाँकि वहाँ काफी लोग इकट्ठे हो गए थे लेकिन किसी को भी उसको बचाने के लिए आगे आने की हिम्मत नहीं हुई। श्री मैथ्यू, जो छोटी लड़की की चीख-पुकार सुनकर वहाँ पहुँचे थे, ने 40 फीट ऊँची दिवार से तुरन्त नहर में छलांग लगा दी। वे डूबती जा रही महिला को बाल से पकड़कर किनारे तक लाने में सफल हुए।

श्री मैथ्यू ने हम डूबती हुई महिला के जीवन की बचाने में उल्लेखनीय साहस तथा तत्परता का परिचय दिया।

12. श्री अनील कुमार साबरे,
शिक्षक, पनधुरना के निवासी,
पोस्ट/तहसील/कथा ना पनधुरना,
जिला छिन्दवाड़ा, मध्य प्रदेश।

पनधुरना गांव में लगे गोतमार मेला देखने गए चार नौजवान 31 अगस्त, 1989 को उफनती हुई जाम नदी में गिर पड़े तथा डूबने लगे। जब श्री अनील कुमार साबरे ने यह वृष्य देखा तो वह उनकी सहायता के लिए दौड़ पड़े तथा उनकी जान बचाई।

5-3-90 को एक व्यक्ति 50 फीट गहरे कुएँ में डूब रहा था। श्री साबरे ने कुएँ में कूबकर उस व्यक्ति की जान बचाई। श्री अनिल कुमार साबरे ने अपनी जान की परवाह न करते हुए दो अवसरों पर 5 व्यक्तियों का जीवन बचाने में उल्लेखनीय साहस एवं तत्परता का परिचय दिया।

13. श्री चिंगडू,
ग्राम एवं पोस्ट घटकवाली,
तहसील जगदलपुर, जिला बस्तर,
मध्य प्रदेश।

14. श्री त्रिनाथ शुकुल,
ग्राम एवं पोस्ट घटकवाली,
तहसील जगदलपुर, जिला बस्तर,
मध्य प्रदेश।

4 अगस्त, 1991 को एक नांव, जिसमें 18 व्यक्ति सवार थे, घटकवाली में इन्द्रावती नदी में उलट गई। श्री चिंगडू तथा त्रिनाथ शुकुल और दो अन्य व्यक्ति तैरकर किनारे पर पहुँच गए लेकिन अन्य व्यक्ति नदी के मध्य में अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष कर रहे थे। किनारे पर पहुँचने के बाद जब श्री चिंगडू और श्री त्रिनाथ ने जब डूबते हुए व्यक्तियों की दुर्दशा देखी तो उनसे रहा नहीं गया और वे उनकी रक्षा के लिए दौड़ पड़े। उन्होंने तत्काल नदी में छलांग लगा दी और एक-एक करके 14 व्यक्तियों को बचा लिया।

श्री चिगदू और श्री विनाय शुकुल ने अपनी जान की परवाह न करते हुए 14 व्यक्तियों को डूबने से बचाने में अदम्य साहस एवं तत्परता का परिचय दिया है।

- 15 श्री कृष्ण देव सिंह,
कांस्टेबल, पुलिस स्टेशन, शिवामिनी,
जिला संगरुजा, मध्य प्रदेश।

रामनवमी के अवसर पर लगभग 50 व्यक्तियों का एक दल 30 मार्च, 1985 को कुदरगढ़ में लगा मेला देखने गया था। रास्ते में स्नान करने के लिए यह दल "रेड" नदी के तट पर रुका। नहाते वक़्त 4 लड़के डूबने लगे और सहायता के लिए चीखने लगे। मेले में भीड़ को व्यवस्थित रखने हेतु ड्यूटी पर तैनात कारटेबल कृष्ण देव सिंह ने जब उनकी चीख पुकार सुनी तो वह तत्काल उनकी सहायता के लिए दौड़ पड़ा। उन्होंने तत्काल नदी में छलांग लगा दी तथा एक-एक करके तीनों लड़कों को बचा लिया। दुर्भाग्यवश चौथे लड़के की जान नहीं बचाई जा सकी।

श्री कृष्ण देव सिंह ने अपनी जान की परवाह न करते हुए 3 लड़कों को डूबने से बचाने में उल्लेखनीय साहस एवं तत्परता का परिचय दिया।

16. मास्टर ओम प्रकाश,
ग्राम गुड़दिया भील,
थाना बड़ौथा, जिला देवास,
मध्य प्रदेश।

श्री सालीग्राम के गुड़दिया भील ग्राम में स्थित घर में जून-जुलाई, 1990 में बिजली की खराबी के कारण आग लग गई थी। तथा उनका 3-4 साल का पुत्र जलते हुए घर के अन्दर फँस गया था। मास्टर ओम प्रकाश, जो स्वयं 11 वर्ष का था, ने जलते हुए घर में प्रवेश किया तथा बच्चे को सकुशल बाहर निकाल लाया।

मास्टर ओम प्रकाश ने एक बच्चे का जीवन आग से बचाने में उल्लेखनीय साहस एवं तत्परता का परिचय दिया।

17. मास्टर विनोद कुमार,
ग्राम करोट, पोस्ट बड़ौता,
टी० ओ० टेहरी-सरेल, तहसील,
धूमरखी, जिला बिलासपुर,
हिमाचल प्रदेश।

3 वर्ष का एक बच्चा 2 मार्च, 1990 को खेलते हुए एक गहरे कुएं में गिर पड़ा था और उसके साथ दोस्त सहायता के लिए चिल्लाने लगे। मास्टर विनोद कुमार ने जब उनकी चीख-पुकार सुनी तो वह वहाँ दौड़ पड़ा और बच्चे को डूबता हुआ देखा। उसने तत्काल कुएं में छलांग लगा दी तथा बच्चे को गकड़ लिया। वह बच्चे को अपनी पीठ पर लेकर 15 मिनट तक तैरता रहा जब तक कि उसकी सहायता के लिए एक बास की नीचें नही लटक दीया गया। बास की सहायता से कुएं की दीवार फाड़ कर यह बच्चे को कुएं के बाहर ले आया।

मास्टर विनोद कुमार ने अपनी जान की परवाह न करते हुए एक बच्चे को डूबने से बचाने में अदम्य साहस एवं तत्परता का परिचय दिया।

- 18 श्री अजीत जयंत देशपाण्डे,
19 सेल हैवल, छठी मंजिल,
23 न्यू मेरिन लाइन्स,
बम्बई-400020

अप होलीडे हैदराबाद-बम्बई वी० टी० ट्रेन की 4 जून, 1990 की रात को शकपल्ली तथा गोटेगागुडा स्टेशनों के बीच एक माल-गाड़ी से टक्कर हो गई थी। इंजिन से पांचवां एक टू-शायर शयनयान पटरी से उतरकर एक तरफ झुक गया था जिसके कारण लगभग 40 यात्री इसके अन्दर फँस गए थे। उक्त डिब्बे में यात्रा कर रहे एक यात्री श्री अजीत जयंत देशपाण्डे ने बचाव अभियान शुरू किया। उसने बगल के एक रास्ते से सभी फंसे हुए यात्रियों को बाहर निकाला।

श्री अजीत जयंत देशपाण्डे ने अपनी जान की परवाह न करते हुए डिब्बे में फंसे यात्रियों को बचाने में अदम्य साहस का परिचय दिया।

19. श्री गजानन्द शर्मा,
एम डी एम, करोली,
राजस्थान।
20. श्री नाशिर खान,
ए० एस० आई, थाना करोली,
राजस्थान।

श्री राम गणेश नामक एक छात्र, जो श्री कैलाश महाजन के घर में किरायेदार था की 28 मार्च, 1991 को करोली शहर में सशस्त्र परिस्थितियों में मृत्यु हो गई थी। कुछ छात्रों तथा मीमा समुदाय के कुछ समाज विरोधी तत्वों ने श्री महाजन के घर को घेर लिया था। उन्होंने पुलिस कर्मचारियों पर पत्थरबाजी शुरू कर दी थी जिससे उन्हें घटनास्थल से पीछे हटना पड़ा। इस घटना की सूचना मिलने पर श्री गजानन्द शर्मा, एसडीएम तत्काल घटना स्थल पर पहुंचे तथा श्री राम गणेश के शव को निकाल कर अपनी गाड़ी में उसे अस्पताल भेजा। इसी वक़्त कुछ भीड़ ने श्री महाजन के घर को आग लगा दी। श्री महाजन की पत्नी एक अन्य महिला तथा उनके पांच बच्चे जलते हुए घर के अन्दर फँस गए थे। श्री शर्मा और श्री नाशिर खान, ए० एस० आई ने जलते हुए घर के अन्दर प्रवेश किया और घर के अन्दर फंसे सभी व्यक्तियों को सकुशल बाहर निकाल लाए। इस क्रम में श्री नाशिर खान घायल हो गए।

श्री गजानन्द शर्मा और श्री नाशिर खान ने अपनी जान की परवाह न करते हुए जनते हुए घर में फंसे व्यक्तियों की जान बचाने में अदम्य साहस का परिचय दिया है।

- 21 श्री लालू राम मेधवाल,
द्वारा श्री डालचन्द सालवी,
इमली घाट, पुरोहितों का खूर्ग,
चादपोल मार्ग उदयपुर,
राजस्थान।

एक परिवार की तीन महिलाएं 25 जून, 1990 को उदयपुर में स्थित चाँचपोल झील में स्नान करने और कपड़े धोने के लिए गई थीं। उनमें से एक का पैर फिसल गया और वह झील में जा गिरी। अपनी जान बचाने हेतु वह संघर्ष कर रही थी तथा डूबती जा रही थी। यह देखने पर उसे बचाने के लिए एक अन्य महिला ने झील में छलांग लगा दी लेकिन डूबती हुई महिला ने उसे कस कर पकड़ लिया और दोनों ही महिला डूबने लगीं। इस पर इन दोनों की जान बचाने के हरावे से तीसरी महिला ने भी छलांग लगा दी लेकिन डूब रही महिलाओं ने उसे भी पकड़ लिया। इसके परिणामस्वरूप यह तीनों महिलाएं झील में डूबने लगीं। इसी समय पास में स्नान कर रही कुछ महिलाओं ने और मचामा शुरू कर दिया तथा निकट के व्यायामशाला में खड़े लगभग 8-10 लोगों को बुला लिया। लेकिन किसी का भी आगे आने का साहस नहीं हुआ। श्री लालूराम मेघवाल, जो वहाँ मचाने के लिए आए हुए थे, चीख-पुकार सुनी। उन्होंने स्थिति की गंभीरता को समझा तथा डूब रही महिलाओं को बचाने के लिए तत्काल झील में छलांग लगा दी। वह उनको एक-एक कर किनारे पर लाने में सफल हो गए।

श्री लालू राम मेघवाल ने अपनी जान की परवाह न करते हुए 3 डूबती हुई महिलाओं की जान बचाने में अवम्य साहस एवं तत्परता का परिचय दिया।

22. श्री सेतू राम मीना,
नम्बर 13939017 (ए),
एनके/एए
एस० आर० मीना बेस अस्पताल,
विल्ली कैट-10।

11 सितम्बर, 1989 को हुकुमपुरा बस स्टैंड के निकट एक बस उलट गई तथा इसके सभी यात्री इसके अन्दर फँस गए थे। यह देखकर श्री सेतूराम मीना ने पीछे से बस के ऊपर चढ़कर शीशों की खिड़कियाँ तोड़ दी और इस प्रकार घायल यात्रियों को बाहर निकाला। उनका प्राथमिक उपचार करने के बाद उपचार के लिए एक ट्रैक्टर में वे उनको प्राथमरी हेल्थ सेंटर में ले गए और इस प्रकार उनकी जान बचाई।

श्री सादूराम मीना ने अवम्य साहस का परिचय देकर बुधटना-ग्रस्त बस में फँसे यात्रियों को बाहर निकाला।

23. श्री पी० विनोभा,
अनुमर कोइल स्ट्रीट गांधीनगर,
थामरैकुलम ग्राम, पैरियाकुलम पी ओ,
मदुरै जिला तमिलनाडु।

पी० एस० एन० ए० कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, डीम्बीगुल 23 अगस्त, 1988 को कुंभकराई जल प्रपात को देखने गए। स्नान करने के बाद एक छात्र जल को पार कर रहा था तभी अचानक उसका पैर फिसल गया और वह यन्त्रकाज में गहरे पानी में गिर पड़ा जहाँ की गहराई लगभग 90 फीट थी। अपनी जान बचाने के लिए वह संघर्ष कर रहा था तथा डूबता जा रहा था। यह देखने पर इस जल प्रपात के वाचमैन श्री विनोभा ने तत्काल जल में छलांग लगा दी और डूबते हुए छात्र को बचा लिया।

श्री पी० विनोभा ने अपनी जान की परवाह न करते हुए एक डूबते हुए छात्र का जीवन बचाने में साहस एवं तत्परता का परिचय दिया।

24. श्री भरत सिंह,
ग्राम एवं पोस्ट कोटमाला,
तहसील रुद्रप्रयाग,
जिला चम्पली,

श्री भरत सिंह 3 अप्रैल, 1991 को पशुपालन विभाग के एक साँड तथा एक भैंसे को लेकर "डोलू" तालाब पर गए। जब वे पानी पी रहे थे तभी अचानक एक बाघ ने साँड पर आक्रमण कर दिया। यह देखने पर श्री भरत सिंह ने बाघ पर दरांती से आक्रमण कर दिया। साँड को छोड़कर बाघ ने श्री भरत सिंह पर हमला बोल दिया। इसने अपने पंजों से उनके सिर पर वार किया तथा उनके बाएँ हाथ को अपने मुँह में पकड़ लिया। श्री सिंह अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष कर रहे थे और सहायता के लिए शोर मचा रहे थे और इस बीच वह लगातार अपने दाएँ हाथ से बाघ पर दरांती से वार कर रहे थे। बाघ उनको छोड़कर भाग गया। रास्ते में इसके सामने नजदीक के खेत में काम कर रही एक महिला पड़ी जिस पर इसने हमला कर दिया। यह देखने पर श्री भरत सिंह उस की सहायता को दौड़ पड़े। उन्होंने अपनी दरांती से बाघ के पाँच पर लगातार वार किया। महिला को छोड़कर बाघ जंगल में भाग गया।

श्री भरत सिंह ने एक जंगली जानवर के पंजों से एक बेबस महिला की जान बचाने में अवम्य साहस एवं तत्परता का परिचय दिया है।

25. श्री चन्द्रलाल, (मरणोपरांत)
ग्राम संकरी, पोस्ट त्रिशूल,
तहसील एवं जिला चम्पली,
उत्तर प्रदेश।

20 जुलाई, 1988 को जोशीमठ के कुछ अधिकारी एक बैठक में शामिल होने के लिए जीप से बद्रीनाथ जा रहे थे। श्री चन्द्रलाल जीप चला रहे थे। जोशीमठ से लगभग 26 किलोमीटर की दूरी पर अचानक एक चट्टान से कुछ पत्थर जीप पर गिरे और जीप छतिग्रस्त हो गई। श्री चन्द्रलाल गंभीर रूप से घायल हो गए थे तथा उनके दाएँ हाथ में फँककर हो गया था। उन्होंने स्थिति की गंभीरता को समझा क्योंकि जीप निश्चित रूप से नीचे नदी में गिर जाती और इसमें सवार सभी व्यक्ति मारे जाते। उन्होंने जीप को इस तरह से चलाया कि वह पहाड़ी की तरफ एक चट्टान से टकराकर रुक गई। तब तक वे बेहोश हो गए थे। सभी घायल व्यक्तियों को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में ले जाया गया। चूंकि श्री चन्द्रलाल गंभीर रूप से घायल हो गए

थे इसलिए उन्हें जिला अस्पताल गोपेश्वर ले जाया गया लेकिन रास्ते में ही उनकी मृत्यु हो गई।

श्री चन्द्रलाल ने अपने प्राणों की आहुति देकर 5 व्यक्तियों का जीवन बचाने में अदम्य साहस एवं तत्परता का परिचय दिया।

26. श्री तुलसी मंडल,
62/2, चेडलाहाट रोड,
कलकत्ता-27।

15 फरवरी, 1990 को एक कपड़ा फैक्टरी के अन्दर से एक व्यापारिक गैस सिलिन्डर से काफी मात्रा में क्लोरिन गैस लीक हुई थी जिसके कारण 4 व्यक्ति तत्काल मर गए थे। इस जहरीली गैस से अनेक लोग गंभीर रूप से प्रभावित हुए थे तथा संपूर्ण क्षेत्र में भय व्याप्त हो गया था। इन गंभीर परिस्थितियों में श्री तुलसी मंडल ने अदम्य साहस का परिचय दे कर लोक कर रही गैस सिलिन्डर को हटाने के लिए फैक्ट्री के अन्दर प्रवेश किया। इस तीखी गैस के धुएँ के कारण उन्हें पहले पीछे हटना पड़ा। लेकिन वे इससे विधिलत नहीं हुए तथा अपने चेहरे को एक तौलिये से ढककर फैक्ट्री में प्रवेश किया। लोक कर रहे सिलिन्डर को उठाकर वे बाहर ले आए। इस सिलिन्डर को निकट के टोलीनाल में फेंककर उन्होंने इस जहरीली गैस को फैलने से रोका। इस प्रयास में छयकारी रमायनों के कारण उनके हाथों को गंभीर रूप से क्षति पहुँची। तथा उन्हें पीड़ादायक प्रोन्कायल सक्रमण हो गया।

श्री तुलसी मंडल ने अपनी जान की परवाह न करके एक भयंकर बिपत्ति को टांमने में उल्लेखनीय साहस एवं तत्परता का परिचय दिया।

27. जैन्टिल मैन कैडिट प्रेम कुमार, (मरणोपरान्त)
(जी० सी० नं० 16445),
ग्राम और पोस्ट आमी,
बाया बोगवाडा,
जिला छपरा,
बिहार।

13 नवम्बर, 1989 को जैन्टिल मैन कैडिट प्रेम कुमार फुटबाल ग्राउंड की ओर जा रहे थे जो उनकी बैरक से लगभग एक हजार गज दूर स्थित था। रास्ते में एक सेतुक से होकर एक जल धारा को पार करना होता था क्योंकि तभी फुटबाल ग्राउंड तक पहुँचा जा सकता था। एक दिन पहले भारी बारिश के कारण इस जलधारा का स्तर काफी ऊँचा हो गया था तथा पानी सेतुक के ऊपर से होकर बह रहा था। और सेतुक को पार करना खतरनाक हो गया था। अन्य जैन्टिल मैन कैडिटों के साथ उन्होंने अपने प्लाटून कमांडर के वहाँ पहुँचने तक प्रतीक्षा करने का निर्णय लिया। अचानक उन्होंने जैन्टिल मैन कैडिट तरुण बिग को सेतुक की तरफ साइकिल पर तेजी से जाते देखा जो

सहायता के लिए चिल्ला रहा था क्योंकि साइकिल उसके नियंत्रण से बाहर हो गई थी। जैन्टिल मैन कैडिट तरुण बिग किसी तरह साइकिल को रोकने में सफल हो गया तथा साइकिल से उतरकर पानी में डूबे सेतुक के ऊपर खड़ा हो गया लेकिन पानी की तेज धारा की वजह से उसके पैर जम नहीं पा रहे थे। जैन्टिल मैन प्रेम कुमार उसकी तरफ दौड़े लेकिन तरुण बिग पानी में गिर गए और तेज धारा में बह गये। प्रेम कुमार ने तत्काल पानी में छलांग लगा दी और तैरकर तरुण बिग तक पहुँच गए। उन्होंने उसे धक्का देकर मुकुशल नदी के तट तक पहुँचा दिया और समय पर दी गई सहायता के कारण वे तेज धारा से दूर जाने में सफल हो गए। तथापि अपने दोस्त की जान बचाने के प्रयास में प्रेम कुमार तेज धारा और भवर में फँस गए। उन्होंने तैर कर किनारे तक आने की कोशिश की लेकिन काफी प्रयास के बावजूद तेज धारा उनको बहा ले गई।

जैन्टिल मैन कैडिट श्री प्रेम कुमार ने अपने प्राणों की आहुति देकर अपने दोस्त को डूबने से बचाने में अदम्य साहस एवं तत्परता का परिचय दिया।

28. मेजर नरेन्द्र सिंह ग्रेवाल, (मरणोपरान्त)
(आई० सी०-25109),
4972, माडल टाउन लुधियाना,
पंजाब।

मेजर नरेन्द्र सिंह ग्रेवाल एशियाई खेल, 1990 के लिए राष्ट्रीय नौकायन दल के नौकायन प्रशिक्षक थे। तथा 28 जुलाई, 1990 को उन्हें ट्रायन्स के लिए सैफ्टी अधिकारी के रूप में तैनात किया गया था। उनकी नाव प्रतियोगियों तथा अम्पायर की नाव के पीछे थी। जब नाव रेस की समाप्ति के बाद वापस आ रही थी तो उनकी नाव अचानक रुक गई। इसे पुनः चालू करने के उनके प्रयासों के बावजूद नाव नदी के बीच बंधारा में स्थित एक कटाव की ओर जाने लगी। खतरे को समझते हुए उन्होंने अन्य नावों को अपनी नाव के पाम नहीं आने का आदेश दिया तथा भारतीय खेल प्राधिकरण के एक अधिकारी श्री सी० पी० जैकब, जो तैरना नहीं जानते थे, को देखभाल करने का आदेश दिया। इस बात को जानते हुए भी कि उनको नाव बंधारा में निश्चित रूप से उलट आएगी उन्होंने उसमें सवार सभी व्यक्तियों को शांत रहने तथा नाव को पकड़े रहने का निवेदन दिया। नाव से बाहर फँके जाने वाले व्यक्तियों में से वे अंतिम थे। बाहर फँके जाने के बावजूद वे श्री जैकब की कुशलता के लिए चारों तरफ निर्देश देते रहे। उनकी मृत्यु शायद एक बोलडर से टकराने से या नदी की तेज धारा से एक पत्थर से टकराने के कारण हो गई थी।

मेजर ग्रेवाल ने खतरों की परवाह न करते हुए अत्यन्त कठिन परिस्थितियों में अपने प्राणों की आहुति देकर उल्लेखनीय साहस और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया।

29. श्री जय प्रकाश,
एल० पी० टी० II (148509 आई०),
आई० एन० एस० व्यास ।

12 अप्रैल, 1990 को एक महिला वेन्दूराथी पुल पार करने समय एनाकुलम नहर में गिर गई तथा इसको तेज धार में बहने लगी । अपने जीवन के लिए संघर्ष करने हुए वह डूबने लगी । हालांकि पुल पर एक बड़ी भीड़ इकट्ठी हो गई थी लेकिन कोई भी इस बेवस महिला को बचाने का साहस न कर सका । जय प्रकाश एल० पी० टी० II जो उस वक्त पुल से गुजर रहे थे उसकी सहायता को दौड़ पड़े । उन्होंने 30 फीट ऊंचे पुल से तत्काल नहर में छलांग लगा दी और लगभग 200 मीटर तक तैरकर डूबती हुई महिला के पाम पहुँच गए । उन्होंने उसको पकड़ लिया तथा उसके मिर को पानी के बाहर निकाल लिया । महिला को जोर से पकड़े हुए वे तैर कर किनारे पर आ गए । उन्होंने उसका प्राथमिक उपचार करने के बाद चिकित्सा के लिए उसे आई० एन० एस० संजीवनी पहुँचाया ।

श्री जय प्रकाश एल० पी० टी० II ने अपनी जान की परवाह न करते हुए एक डूबती हुई महिला के जीवन को बचाने में अदम्य साहस एवं तत्परता का परिचय दिया ।

30. 5841553 हवलदार तेज बहादुर खत्री,
3/9, गोरखा राइफल्स,
द्वारा 56 ए० पी० ओ० ।

29 अप्रैल, 1990 को हवलदार तेज बहादुर खत्री राइफल्स मैन चित्र बहादुर थापा और राइफल्स मैन श्रद्धा बहादुर थापा के साथ एक सीमावर्ती ग्राम में स्थित "अल्लामाईदी कोठी" क्षेत्र में गस्त लगा रहे थे । वहाँ उन्होंने पानी से भरे हुए खड्ड-गड्ढा-बंद पर स्थित खड्डे के निकट क्रोसिंग स्थल पर एक बैलगाड़ी में 2 व्यक्तियों को आते हुए देखा । पार करने समय एक बैल का संतुलन खिगड़ गया और वह खड्डे में गिर गया तथा उसके साथ बैलगाड़ी भी पानी में गिर गई । बैलगाड़ी में सवार दोनों व्यक्ति पानी में गिर गए और डूबने लगे । यह देखकर हवलदार तेज बहादुर खत्री ने अपने उपस्करों को हटाया और खड्डे में छलांग लगा दी । वे डूब रहे व्यक्तियों में से एक को बचाकर किनारे में लाने में सफल हुए । दूसरे डूबते हुए व्यक्ति को बचाने के लिए उन्होंने पुनः पानी में छलांग लगा दी । वे 20 मिनट के बाद बेहोशी की हालत में उसे पा सके । इस व्यक्ति को रणबीर सिंह पुरा स्थित सिविल अस्पताल ले जाया गया जहाँ उसे मृत घोषित कर दिया गया ।

हवलदार तेज बहादुर खत्री ने अपनी जान की परवाह न करते हुए एक डूबते हुए व्यक्ति की जान बचाने में अदम्य साहस एवं तत्परता का परिचय दिया ।

31. सैकिड ले० विकास कोल्हे,
(आई० सी०-48177),
ए० एस० सी०,
27 मद्रास द्वारा 56 ए० पी० ओ० ।

सैकिड ले० विकास कोल्हे 21 सितम्बर, 1989 को कारगिल-श्रीनगर मार्ग पर मेजर एव श्रीमती रविन्द्र कुमार और उनकी तीन वर्ष की पुत्री के साथ एक वाहन में यात्रा कर रहे थे । मशीनी गड़बड़ी के कारण वाहन चट्टान से टकरा गया और एक घाटी में गिरने लगा । सैकिड ले० कोल्हे ने अदभूत प्रतियुपक्रम का परिचय देते हुए गिरते हुए वाहन में छोटी बच्ची को लेकर सफाई से कूच पड़े । इस पक्रम में वे लगभग 300 फीट तक लुढ़कते हुए बच्ची के जीवन को बचाने में सफल हुए ।

जब उन्होंने श्रीमती रविन्द्र कुमार को मृत देखा तो अपने घाय की परवाह न करते हुए वे मेजर कुमार को अस्पताल में भरती कराने ले गए जिनकी बाद में मृत्यु हो गई ।

सैकिड ले० कोल्हे ने अपनी जान की परवाह न करते हुए तीन वर्ष की एक बच्ची का जीवन बचाने में उल्लेखनीय साहस एवं तत्परता का परिचय दिया ।

32. कोड न० 373/60/सी० पी० एल० कुमार लामा,
60 सड़क निर्माण कम्पनी (जी० आर० ई० एफ०),
द्वारा 99 ए० पी० ओ० ।

फुट सोलिंग-थीम्पु मार्ग (भूटान) पर 50.5 किलोमीटर पर 2 अगस्त, 1990 को एक जबरदस्त भू-स्खलन हुआ । जिसके कारण इस स्थान पर यातायात बिल्कुल अवरुद्ध हो गया था । श्री कुमार लामा को पहाड़ी की चोटी में गिरने वाले बोल्टों की गति पर निगरानी रखने तथा किसी भी खतरे के प्रति डोजर आपरेटरों तथा अन्य व्यक्तियों को सचेत करने के लिए तैनात किया गया था । 2.00 बजे के लगभग स्लाइड के उस पार जाने के लिए निकटवर्ती गाँव के कुछ स्थानीय लोग वहाँ आए । कुमार लामा और अन्य संतरियों की चेतावनियों के बावजूद इन ग्रामीणों ने स्लाइड प्वाइंट को पार करना शुरू कर दिया । इसी बीच श्री कुमार लामा ने देखा कि एक बहुत बड़ी चट्टान नीचे की ओर लुढ़कती आ रही थी । बोल्टों को नीचे गिरता देख श्री कुमार लामा को ग्रामीणों के जीवन के उत्पन्न गंभीर खतरे का आभास हुआ और वे अपनी जान की परवाह न करते हुए उनकी तरफ दौड़ पड़े । ऐन वक्त पर उन्होंने ग्रामीणों को दूसरी तरफ धकेल दिया और इस प्रकार उन्हें मनबे के अन्दर दबने में बचा लिया । इस क्रम में वे स्वयं घाटी की तरफ फिसल गए और मलबे के साथ लुढ़कते रहने के कारण काफी गंभीर रूप से घायल हो गए ।

श्री कुमार लामा ने अपनी जान की परवाह न करते हुए ग्रामीणों के जीवन को बचाने में असाधारण साहस व तत्परता का परिचय दिया ।

33. श्री गोरख गुप्ता,
35 श्रेष्ठ बिहार,
आई० पी० एक्सटेंशन पार्ट-2,
दिल्ली-92।

9 वर्ष का एक बच्चा मास्टर निखल कुमार बहल 23 अप्रैल, 1991 को एक गहरे सिविर में होल में गिर गया जिससे उसके जीवन को खतरा उत्पन्न हो गया। हालांकि कई लोग मूक दर्शक बने इस बेबस बच्चे की दुर्दशा को देखते रहे लेकिन केवल श्री गोरख गुप्ता ही उसके बचाव के लिए आगे आए। उन्होंने मेन होल में प्रवेश कर बच्चे को बचा लिया।

श्री गोरख गुप्ता ने अपनी जान की परवाह न करते हुए एक बच्चे का जीवन बचाने में साहस एवं तत्परता का परिचय दिया।

ए० के० उपाध्याय,
निदेशक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली-1, दिनांक 3 मार्च 1992

सं० 27/5/92-सी० एल०-II—सेवा निवृत्ति की आयु पूरी होने पर कम्पनी कार्य विभाग नई दिल्ली के कार्यालय के भूतपूर्व संयुक्त निदेशक (निरीक्षण) श्री बी० बी० साहू को कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 209 के अन्तर्गत अपने कर्तव्यों का निर्वाह करने के लिए प्राधिकृत करने वाली दिनांक 29-10-85 की अधिसूचना सं० 27/9/85-सी० एल०-II एतद्वारा वापस ली जाती है और विनांक 31-12-91 के अपराह्न से निरस्त समझी जाए।

सं० 27/5/92-सी० एल०-2—कम्पनी रजिस्ट्रार गोवा बमन एण्ड दिव के पद पर नियुक्ति के कारण प्रादेशिक निदेशक कम्पनी कार्य विभाग बम्बई के कार्यालय में भूतपूर्व सहायक निरीक्षण अधिकारी श्री एस० पी० काम्बले को कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 209 के अन्तर्गत अपने कर्तव्यों का निर्वाह करने के लिए प्राधिकृत करने वाली दिनांक 2-8-91 की अधिसूचना सं० 27/5/91 सी० एल०-2 एतद्वारा वापस ली जाती है और इसे तुरन्त निरस्त समझी जाए।

सं० 27/5/92-सी० एल०-2—संयुक्त सहाय निदेशक, जांच एवं पंजीकरण के पद पर नियुक्ति के कारण कम्पनी कार्य विभाग, नई दिल्ली के कार्यालय में भूतपूर्व संयुक्त निदेशक (निरीक्षण) श्री आर० के० अरोड़ा को कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 209 के अन्तर्गत अपने कर्तव्यों का निर्वाह करने के लिए प्राधिकृत करने वाली दिनांक 12-9-90 की अधिसूचना सं० 27/11/90 सी० एल०-2 एतद्वारा वापस ली जाती है और इसे दिनांक 10-12-91 (अपराह्न) से निरस्त समझी जाये।

मधुकर गुप्ता, अवर सचिव

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 फरवरी 1992

सं० 5/7/91-सी० एच० सी० (i)—साम्प्रदायिक सम्भाव संबंधी राष्ट्रीय प्रतिष्ठान नियमावली के नियम 3 के अधीन, गृह मंत्रालय ने निम्नलिखित को,

तत्काल प्रभावी रूप से और अगले आवेशों तक, साम्प्रदायिक सम्भाव संबंधी राष्ट्रीय प्रतिष्ठान के सदस्य के रूप में नियुक्त किया है :—

- | | | |
|----|--|---------|
| 1 | केन्द्रीय गृह मंत्री, भारत सरकार | अध्यक्ष |
| 2 | मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार | |
| 3 | कल्याण मंत्री, भारत सरकार | |
| 4 | श्री एम० एस० अगवानी | |
| 5 | श्री पी० सी० एलेक्जेंडर | |
| 6 | श्री श्याम बेनेगल | |
| 7 | श्रीमती इला आर० भट्ट | |
| 8 | श्री आर० पी० गोयनका | |
| 9 | डा० एम० एस० गोरे | |
| 10 | सुश्री कुरासुलेन हैबर | |
| 11 | डा० ए० एम० खुसरो | |
| 12 | श्री संयद नकवी | |
| 13 | श्री एच० वाई० शारदा प्रसाद | |
| 14 | श्रीमती अमृता प्रीतम | |
| 15 | श्री खुशबन्त सिंह | |
| 16 | श्री दीनक सिंह | |
| 17 | श्री बी० जी० वर्धन | |
| 18 | सचिव, गृह मंत्रालय, भारत सरकार | |
| 19 | सचिव, शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार। | |
| 20 | सचिव, महिला व बाल विकास विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार। | |
| 21 | सचिव, कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार। | |
| 22 | सचिव, व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार | |
| 23 | संयुक्त सचिव (राष्ट्रीय एकता), गृह मंत्रालय भारत सरकार। | सचिव |

सं० 5/7/91 सी० एच० सी० (ii)—साम्प्रदायिक सम्भाव संबंधी राष्ट्रीय प्रतिष्ठान नियमावली के नियम 6 के अधीन, गृह मंत्रालय ने निम्नलिखित को, तत्काल प्रभावी रूप से और अगले आवेशों तक, साम्प्रदायिक सम्भाव संबंधी राष्ट्रीय प्रतिष्ठान की शासी-परिषद् के सदस्य के रूप में नियुक्त किया है :—

- | | | |
|----|--------------------------------------|---------|
| 1 | केन्द्रीय गृह मंत्री, भारत सरकार | अध्यक्ष |
| 2 | मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार | |
| 3 | कल्याण मंत्री, भारत सरकार | |
| 4 | श्री एम० एस० अगवानी | |
| 5 | श्री पी० सी० एलेक्जेंडर | |
| 6 | श्री श्याम बेनेगल | |
| 7 | श्रीमती इला आर० भट्ट | |
| 8 | श्री आर० पी० गोयनका | |
| 9 | डा० एम० एस० गोरे | |
| 10 | सुश्री कुरासुलेन हैबर | |
| 11 | डा० ए० एम० खुसरो | |
| 12 | श्री संयद नकवी | |
| 13 | श्री एच० वाई० शारदा प्रसाद | |
| 14 | श्रीमती अमृता प्रीतम | |
| 15 | श्री खुशबन्त सिंह | |
| 16 | दीनक सिंह | |

- 17 श्री बी० सी० वर्धोस
- 18 सचिव, गृह मंत्रालय, भारत सरकार
- 19 सचिव, शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार।
- 20 सचिव, महिला व बाल विकास विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार।
- 21 सचिव, कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।
- 22 सचिव, व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार।
- 23 संयुक्त सचिव, (राष्ट्रीय एकता), गृह मंत्रालय, भारत सरकार।

राम फल, उप सचिव

उद्योग मंत्रालय

(प्रौद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 26 फरवरी 1992

संकल्प

सं० 07011/1/91-नमक—भारत सरकार ने केन्द्रीय नमक सलाहकार बोर्ड का तत्काल पुनर्गठन करने का निर्णय किया है। पुनर्गठित सलाहकार बोर्ड (इसके बाद “बोर्ड” कहा गया है) की रचना इस प्रकार होगी:—

- 1 अध्यक्ष
राज्य मंत्री (प्रौद्योगिक विकास)
सदस्य
केन्द्र सरकार के विभागों/मंत्रालयों के प्रतिनिधि
- 2 नमक प्रभारी संयुक्त सचिव, प्रौद्योगिक विकास विभाग
- 3 निदेशक, केन्द्रीय नमक तथा समुद्रीय रसायन अनुसंधान संस्थान, भावनगर
- 4 संयुक्त सचिव, गलगंड नियंत्रण कार्यक्रम प्रभारी, स्वास्थ्य मंत्रालय।
- 5 निदेशक, (यातायात एवं परिवहन), रेल मंत्रालय।
नमक उत्पादक राज्यों के प्रतिनिधि
- 6 उद्योग आयुक्त, गुजरात सरकार।
- 7 सचिव, उद्योग विभाग, आन्ध्र प्रदेश सरकार।
- 8 सचिव, उद्योग विभाग, तमिलनाडु सरकार।
- 9 सचिव, उद्योग विभाग, राजस्थान सरकार।
- 10 सचिव, उद्योग विभाग, उड़ीसा सरकार।
नमक उत्पादक राज्यों के अलावा राज्य सरकारों के प्रतिनिधि
- 11 सचिव, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, असम सरकार।
- 12 सचिव, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार।
नमक निर्माताओं के प्रतिनिधि
गुजरात
- 13 श्री बी० आर० कामदार, कामदार नमक तथा रसायन उद्योग, उर्नी आमनगर।
- 14 श्री कृष्णामुरारी लाल अग्रवाल, अध्यक्ष, धरतगधरा आइलैंड साल्ट निर्माता संघ।
तमिलनाडु
- 15 श्री जॉन मोथा, मह्यामाया साल्टन लि०, 101 सीडब्ल्यू कॉर्टम रोड, तुतीकोरिन।
आन्ध्र प्रदेश
- 16 श्री एस० वी० भास्कर रेड्डी, धर्माविट्टा, नैलोर।

- महाराष्ट्र
- 17 श्री इब्राहीम फकीह, पालगढ़।
उड़ीसा
- 18 श्री रामोवर बह्मदा, अध्यक्ष, मै० बाहुडा साल्ट प्रोडक्शन एण्ड सेल्स की—
ग्रॉपरेटिव सोसाइटी, सुरला, जिला गंजम
राजस्थान
- 19 अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, हिन्दुस्तान साल्ट लि० जयपुर।
पश्चिमी बंगाल
- 20 श्री समेन्द्र दत्ता, प्रबंध निदेशक, मै० बंगाल साल्ट कं० लि०, कलकत्ता
पूर्वोत्तर क्षेत्र के प्रतिनिधि
- 21 श्री राजेन्द्र कुमार लोहिया, मै० ब्राह्मरमण विनोद कुमार, कोल रोड,
पोस्ट डिब्रुगढ़, असम।
सहकारी समितियों में नमक निर्माण का ज्ञान तथा अनुभव रखने वाले व्यक्ति
- 22 श्री ठाकुर कोल सिंह, मोती बाजार, मंडी, हिमाचल प्रदेश।
- 23 श्री पी० एन० धरकार, सदस्य, महाराष्ट्र विधान परिषद्, एट एण्ड
पी० ई० एन० जिला रायगढ़, महाराष्ट्र।
अकाली निर्माताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले व्यक्ति
- 24 श्री एम० ए० रामास्वामी, धरतगधरा केमिकल्स वर्क्स, अरमुगनेरी
तमिलनाडु।
सार्वजनिक कार्यों में जानकारी तथा अनुभव रखने वाले व्यक्ति।
- 25 श्री एम० एम० जोशी, अध्यक्ष, फलोवी सिटी ब्लॉक कांसेस कमेटी (आई)
राजस्थान।
- 26 श्री एस० धनराज, संयुक्त सचिव, कोरोमण्डल मिनी साल्ट प्रोड्यूसर्स
एसोसिएशन।
- 27 श्री ए० पी० सी० वी० जोकाललिंगम, फ्रैंच केपल रोड,
तुतीकोरिन, वी० ओ० सी० जिला, तमिलनाडु।
- 28 श्री टी० पदमनाभन, सिघी, थानैरमुकोम (पी० ओ०), चिरयाला,
अलापप्पा (जिला) केरल।
29. नमक आयुक्त, सदस्य सचिव।।

टिप्पणी :—जहाजरानी तथा परिवहन और वाणिज्य मंत्रालयों और राज्य व्यापार निगम को बोर्ड की बैठक में जब कभी आवश्यक हो, भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जा सकता है। संभव के वे सभी सदस्य जो क्षेत्रीय सलाहकार बोर्डों के सदस्य हैं, बोर्ड की बैठक में भाग ले सकते हैं।

2. बोर्ड के कार्य नमक उप-कर अधिनियम, 1953 की धारा 3 के अधीन लगाये गये उप कर से आमवधि के प्रशासन के सम्बन्ध में भारत सरकार को सलाह देना और नमक उद्योग के विकास के लिए सहायक उपायों की सामान्यतः निफारिश करना होगा, अर्थात्

1. अनुसंधान केंद्रों, माडल फार्मों और नमक कारखानों की स्थापना और रखरखाव,
2. नमक की श्रेणियां निर्धारित करना और उसकी गुणवत्ता में सुधार करना,
3. निर्यात का विकास,
4. नमक निर्माताओं में सहकारी प्रयासों को बढ़ावा देना तथा प्रोत्साहन देना,
5. नमक उद्योग के विकास से सम्बन्धित कोई अन्य मामला,
6. नमक उद्योग में नियोजित श्रमिकों के कल्याण को प्रोत्साहन देना।

3. (क) बोर्ड की घनधि इस संकल्प के जारी होने की तारीख से 3 वर्ष के लिए होगी।

(ख) यदि किसी गैर-सरकारी सदस्य का स्थान खाली हो जाता है तो केन्द्र सरकार बोर्ड की समाप्त न हुई अवधि के लिए रिक्त स्थान को भरने के लिए तया नामांकन करेगी।

4. (क) यदि कोई मनोनीत सदस्य बैठक में भाग लेने की स्थिति में नहीं है तो उन्हें बोर्ड के अध्यक्ष को लिखित में तथ्य बताना होगा।

(ख) बोर्ड की बैठक का कोरम तीन का होगा।

(ग) बोर्ड अथवा बोर्ड द्वारा विधिवत गठित किसी उप समिति की बैठक में भाग लेने वाला प्रत्येक गैर-सरकारी सदस्य नियमों के अधीन तथा स्वीकार्य अथवा केन्द्र सरकार द्वारा समय-समय पर अनुमोदित यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता का हकदार होगा।

(घ) नमक आयुक्त, जयपुर गैर-सरकारी सदस्यों के यात्रा तथा दैनिक भत्ता बिलों पर प्रतिहस्ताक्षरण के लिए नियंत्रण अधिकारी होंगे।

(ङ) गैर-सरकारी सदस्य बोर्ड के अध्यक्ष को संबोधित एक पत्र द्वारा अपने पत्र पर से त्यागपत्र दे सकता है।

(च) यदि कोई गैर-सरकारी सदस्य भारत छोड़ता है, तो उन्हें भारत छोड़ने से पहले भारत से अपने प्रस्थान की तारीख और भारत से अपनी प्रत्यागित वापसी की तारीख बोर्ड के अध्यक्ष को सूचित करनी होगी और यदि उन का इरादा छः महीने से अधिक अवधि के लिए भारत से अनुपस्थित रहने का है तो उन्हें अपना त्यागपत्र देना होगा। यदि कोई ऐसा सदस्य उपर्युक्त का अनुपालन किये बगैर भारत छोड़ता है तो उन्हें भारत से अपने प्रस्थान की तारीख से त्यागपत्र दिया हुआ समझा जायेगा।

(छ) बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किसी सदस्य के बारे में यह घोषणा कर दी जायेगी कि उसका स्थान खाली हो गया है।

1. यदि वह दिवालिया हो गया है, अथवा
2. यदि वह किसी ऐसे अपराध, जो अध्यक्ष की राय से चरित्रहीनता से सम्बन्धित है, का बोधी मित्र हो गया हो, अथवा
3. यदि वह बोर्ड के अध्यक्ष से अनुपस्थिति की छुट्टी लिये बिना उसकी लगातार तीन बैठकों में अनुपस्थित रहता है, अथवा
4. यदि केन्द्र सरकार की राय में यह अव्यक्तनीय है कि वह बोर्ड का सदस्य बना रहे।

(ज) बोर्ड का सचिव बोर्ड के अध्यक्ष के अनुमोदन के बिना क्षेत्रीय नमक सलाहकार बोर्ड के एक अथवा एक से अधिक गैर-सरकारी सदस्यों अथवा अन्य व्यक्तियों को बोर्ड की किसी बैठक में भाग लेने के लिए आमन्त्रित कर सकता है और ऐसे सदस्य अथवा व्यक्ति खंड (ग) के अधीन उल्लिखित यात्रा भत्ता आदि के हकदार होंगे।

(झ) बोर्ड की बैठक ऐसे स्थान और समय पर होगी जैसा अध्यक्ष द्वारा निर्धारित किया जायेगा।

(ञ) भारत में उपस्थित प्रत्येक सदस्य को प्रत्येक साधारण बैठक के लिए समय तथा स्थान की सूचना ऐसी बैठक से 15 दिन पहले देनी होगी और प्रत्येक सदस्य को उस बैठक में निपटाये जाने वाले कार्य की एक सूची दी जायेगी।

(ट) यदि अध्यक्ष द्वारा कोई आपातकालीन बैठक बुलाई जाती है तो ऐसा नोटिस आवश्यक नहीं है।

(ठ) जो मख कार्यसूची में नहीं है, उस पर बोर्ड के अध्यक्ष की पूर्वानुमति के बिना बैठक में विचार नहीं किया जायेगा।

(ड) बोर्ड की जिस बैठक में अध्यक्ष उपस्थित होंगे उसकी अध्यक्षता वे करेंगे। यदि अध्यक्ष किसी बैठक में अनुपस्थित होंगे, तो सदस्य

अध्यक्ष का चुनाव करेंगे और इस तरह चुना गया सदस्य उस बैठक में अध्यक्ष के अधिकारों का प्रयोग करेगा।

(द) बोर्ड की बैठक में प्रत्येक प्रश्न उपस्थित सदस्यों के बहुमत और उस प्रश्न पर मतदान से तय किया जायेगा। मतों का बराबर विभाजन होने पर अध्यक्ष अतिरिक्त मत देंगे।

(ण) बोर्ड की बैठक की कार्यवाही भारत में उपस्थित सभी सदस्यों को परिचालित की जायेगी और उसके बाव एक कार्यवृत्त पुस्तक में दर्ज की जायेगी जो स्थायी रिकार्ड के लिए रखी जायेगी।

(त) प्रत्येक बैठक कार्यवाही के रिकार्ड पर बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षर किए जायेंगे।

(थ) किसी क्षेत्र के खर्च, जिसे उप कर की आय से पूरा किया जाना है, के लिए प्रस्तावों पर पहले क्षेत्रीय बोर्ड द्वारा विचार किया जायेगा, इस प्रयोजन के लिए प्रस्तावों के ब्यौरे के साथ प्रारम्भिक अनुमान और अन्य आवश्यक आंकड़ों के साथ उसकी अनुमानित लागत क्षेत्रीय आघ-कारियों द्वारा तैयार किये जायेंगे। इसके बाद क्षेत्रीय बोर्ड की सिफारिश के साथ-साथ इन प्रस्तावों पर केन्द्रीय बोर्ड द्वारा विचार किया जायेगा।

विकासत्मक स्वरूप और श्रमिक कल्याण के कार्यों, प्रत्येक की 5 लाख रुपये लागत, का स्वयं क्षेत्रीय बोर्डों द्वारा केन्द्रीय सलाहकार बोर्ड को उनकी अंतिम सिफारिशों के लिए भेजे बिना निष्पादन के लिए अनुमोदन किया जा सकता है।

(द) केन्द्रीय सलाहकार बोर्ड की सिफारिशों केन्द्र सरकार को स्वीकृति के लिए भेजी जायेगी उसके बाद विस्तृत प्राक्कलन तैयार किये जायेंगे सक्षम प्राधिकारी द्वारा इन अनुमानों को स्वीकृत किया जायेगा।

(ध) बोर्ड के किसी कार्य अथवा कार्यवाही पर बोर्ड के किसी रिक्त स्थान के होने अथवा उसके संविधान में कमी के आधार पर कोई सन्देह व्यक्त नहीं किया जायेगा।

आवेश

आवेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सभी राज्य सरकारों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों, योजना आयोग, मंत्रिमण्डल सचिवालय और प्रधान मंत्री कार्यालय को भेजा जाये।

2. आदेश दिया जाता है कि संकल्प भारत के राजपत्र, भाग-I, खंड-1 में प्रकाशित किया जाये।

अखण्ड प्रताप सिंह,
संयुक्त सचिव

तकनीकी विकास महानिदेशालय
नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1992
संकल्प

(फेरस कार्बिड उद्योग के लिए नामिका की संख्या)

सं० फेरस/उद्योग-I/II (32)/91-9—फेरस कार्बिड उद्योग की बढ़ती हुई मांग/महत्व और भूमिका को ध्यान में रखते हुए जो कि इसे इंजीनियरिंग और पूंजीगत माल-अर्थव्यवस्था के क्षेत्र तथा तकनीकी विकास की सतत समीक्षा की जरूरत के संदर्भ में, ऊर्जा संरक्षण, निर्यात प्रोत्ति और पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण इत्यादि के समर्पण में निहानी है, सरकार ने फेरस कार्बिड उद्योग की नामिका को पुनर्गठित करने का निश्चय किया है जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे :—

1. श्री पी० सी० नियोगी, अध्यक्ष सह प्रबन्ध निदेशक, मेसर्स एच० ई० सी०-राजी, बिहार।

2. श्री आर० एम० बलानी, ओ० स०, त० वि० म० नि० ।	सदस्य	16. श्री पी० कृष्णामूर्ति, मेसर्स शिवनन्दी स्टीलस लिमिटेड, औद्योगिक इस्टेट, अम्बातूर, मद्रास-600058 ।	सदस्य
3. उद्योग मंत्रालय के विभागों के प्रतिनिधि	सदस्य		
4. श्री शास्त्री, संयुक्त सलाहकार योजना आयोग, योजना भवन ।	सदस्य	17. श्री बी० एल० शा, प्रबन्ध निदेशक, मेसर्स नागपुर अलाय कार्बोन्स लिमिटेड, एफ-8, एम० आई० डी० सी० ओ० क्षेत्र, हिंगाना रोड, नागपुर-440016 ।	सदस्य
5. श्री जी० के० जैन, निदेशक (सेट) व्यूरो आफ इंडियन स्टैंडर्ड्स, मनिक भवन-9, बहादुर जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 ।	सदस्य	18. डा० पी० एम० पत्नीहल, क्षेत्रीय प्रबन्धक (फाउण्ड्री), मेसर्स टाटा इंजीनियरिंग तथा लोकोमोटिव क० लिमिटेड, जमशेदपुर-831010 ।	सदस्य
6. जी० सी० (एस० एस० आई०) के प्रतिनिधि	सदस्य		
7. प्रो० ए० के० पटवर्धन, मेटालर्जिकल इंजीनियरिंग विभाग, राष्ट्रीय विज्ञान विद्यालय, रुड़की ।	सदस्य	19. डॉ० पी० एन० भगवती, अध्यक्ष, मेसर्स भगवती स्केरोकास्ट लिमिटेड, 1, कृष्णा सोसाइटी, एलिसग्रिज, अहमदाबाद-380006 ।	सदस्य
8. प्रा० पी० एन० चक्रवर्ती, निदेशक, राष्ट्रीय फाउण्ड्री तथा फोजिंग, औद्योगिकी संस्थान, हरियाणा-843300 ।	सदस्य	20. प्रो० एच० मो० रोशन, मेटालर्जिकल इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय तकनीकी संस्थान, मद्रास ।	सदस्य
9. सचिव, इंजीनियरिंग उद्योग संगठन ।	सदस्य		
10. अध्यक्ष, भारतीय फाउण्ड्रीमेंट संस्थान, फर्स्ट फ्लोर, 4/2, मिडल्लटनस्ट्रीट, कलकत्ता-700001 ।	सदस्य	21. श्री एफ० डी० नेटेरवाला, निदेशक मेसर्स युनिफोर्मे इंटरनेशनल लिमि०, लाइब्रेरी बिल्डिंग बिट्टालवास थैकर से मार्ग, बम्बई-400020 ।	सदस्य
11. श्री पी० एम० राजगोपाल, उप महाप्रबन्धक, मेसर्स मुकुंद लिमिटेड, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, कुरना, बाम्बे-400070 ।	सदस्य	22. श्री एच० डी० शाह, अध्यक्ष मेसर्स सियलेक्स कार्बोन्स लिमि०, 1515 हेमकुंट टावर, 98 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019	सदस्य
12. श्री डी० बासुदेव राव, प्रबन्धक निदेशक, एन्नोर फाउण्ड्रीज लिमिटेड, एन्नोर, मद्रास-600057 ।	सदस्य	23. श्री उद्यम सेन विकास अधिकारी (त० वि० म० नि०)	सदस्य सचिव
13. श्री० डी० के० वीक्षित, उपाध्यक्ष, मेसर्स मैसूर किलोस्कर लिमिटेड, पी० ओ०—थांलापुर, हरिहर-577602 ।	सदस्य		
14. श्री के० सी० मैथ्यू, उप महाप्रबन्धक, मेसर्स आटोफास्ट लिमिटेड, एस० एन० पूरम, पी० ओ०—शेरनालम-688582 ।	सदस्य		
15. श्री टी० कुमार, तकनीकी निदेशक, मेसर्स स्टीलकास्ट भावनगर (प्रा०) लिमिटेड, भावनगर गुजरात	सदस्य		

3 नामिका के विषयार्थ विषय निम्नलिखित हैं :—

(क) उद्योग की वर्तमान स्थिति तथा परिप्रेक्ष्यों पर विचार करना तथा सम्बन्धित क्षेत्रों में जैसे आटोमोबाइल मशीन टूल्स, उद्योग मशीनरी विकास कार्यक्रम को ध्यान में रखकर इसके विकास के उपायों की अनुशासना करना ।

(ख) औद्योगिकी के वर्तमान स्तर का मूल्यांकन करना तथा ऐसे उपायों की अनुशासना करना जो कि इसकी विशेष गुणवत्ता नियंत्रण ऊर्जा/संरक्षण उपज प्रदूषण नियंत्रण उत्पादन के विकास इत्यादि में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के समकक्ष ला सकें ।

(ग) यह जांच करना कि किस हद तक मानकीकरण प्राप्त किया गया है तथा और अधिक मानकीकरण के लिए विशिष्ट कार्यक्रमों का विकास करना । यह कार्य आई० एस० आई० के परामर्श से करना है ताकि जिनके लिए कुछ महत्वपूर्ण उपकरणों की पहचान की जा सके ।

- (घ) फाउण्ड्री उद्योग को आधुनिक बनाने के लिए नये उद्देश्य पर प्रकाश डालना ।
 (च) निर्यात बढ़ाने के लिए उपायों की अनुगुणा करना ।
 (छ) अनुसंधान और विकास कार्य ।
 (ज) कोई अन्य पदार्थ जो कि उद्योग के लाभ और विकास से सम्बन्धित हो ।

4 नामिका की अवधि 2 वर्षों के लिए है ।

5 यह परामर्शी नामिका स्थिति की समीक्षा करने के लिए छः महीने में कम से कम एक बार और परिस्थिति की मांग के अनुसार इससे भी ज्यादा बार उन स्थानों पर मिलेगी जो कि नामिका के अध्यक्ष द्वारा निर्धारित किया जाएगा ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक प्रति सभी संबंध व्यक्तियों को प्रेषित किया जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक प्रति भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

मदन मोहन
निदेशक (प्रशासन)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(संस्कृति विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1992

संकल्प

सं० एफ० 15-4/90-सी० एच०-1—इस विभाग के दिनांक 4 अक्टूबर 1988 के आदेश सं० एफ० 7-10/82-सी० एच०-1 में आंशिक संशोधन करते हुए भारत सरकार राष्ट्रीय मानव संग्रहालय समिति के नियमों और विनियमों के नियम 3(viii) के अनुसरण में श्री राम गरण जोशी को, श्री जी० अरविन्द के स्थान पर राष्ट्रीय मानव संग्रहालय समिति के सदस्य के रूप में तत्काल पांच वर्ष की अवधि के लिए अध्यापक मिति का पुनर्गठन होने तक जो भी पहले हो नामित करती है ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक प्रति निदेशक राष्ट्रीय मानव संग्रहालय सेक्टर ई०/3 अरेरा कालोनी पो० बी० सं० 7 तथा हाउसिंग बोर्ड काम्पलेक्स भोपाल-462016 को भेजी जाए और इस संकल्प को भारत के राजपत्र में आम जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाए ।

एम० मिश्र
संयुक्त सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 14 फरवरी 1992

संकल्प

सं० एफ० 32-34/84-पुस्त०—संस्कृति विभाग के संकल्प सं० 32-34/84-पुस्त० दिनांक 15 नवम्बर 1990 में आंशिक संशोधन करते हुए भारतीय ऐतिहासिक अभिलेख आयोग के गठन के सम्बन्ध में संकल्प में निम्नलिखित परिवर्तन अधिसूचित किए जाते हैं :—

- 1 पैरा 3 क-पदेन सदस्य
मानव संसाधन विकास के स्थान पर मानव संसाधन
राज्य मंत्री भारत विकास मंत्री, भारत सरकार
सरकार पड़ा जाए ।

2 कम संख्या (3) पर
अपर सचिव, संस्कृति विभाग
भारत सरकार,
II. 6. 1—स्थायी समिति का गठन

(6) अपर सचिव,
भारत सरकार
संस्कृति विभाग
(पदेन उपाध्यक्ष)

III. पैरा 7

पंक्ति 3-5 का भाग "अपर सचिव संस्कृति विभाग (स्थायी समिति के पदेन उपाध्यक्ष)" हटा दिया गया है

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक प्रतिलिपि अभिलेखागार महानिदेशक, भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली को भेजी जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प को जनसाधारण की सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

एम० सिकंदर
उप शिक्षा सलाहकार (सी० एच०)

संसार मंत्रालय

(दूर संचार आयोग)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 4 नवम्बर 1991

विषय :— भारतीय तार अधिनियम, 1885 की पुनरीक्षा करने तथा उपयुक्त संशोधनों की सिफारिश करने के लिए समिति का गठन ।

सं० 2-1/91-टी० सी० प्रो०—भारतीय तार अधिनियम, 1885 में देश की दूरसंचार तथा तार सेवाओं के अनुक्षण एवं प्रचालन सम्बन्धि विनियमन के प्रावधान निहित हैं ।

2. इस अधिनियम का प्रकाशन 1885 में किया गया था और पिछले एक सौ वर्षों में अधिक समय के दौरान वर्षों, 1947 में देश के स्वतंत्र होने तथा 1950 में भारत का संविधान लागू होने के पश्चात्, बचती हुई परिस्थितियों के संदर्भ में अधिनियम की अनेक व्यवस्थाओं के प्रचालन में कठिनाइयाँ पैदा हुई हैं । प्रौद्योगिकी के स्तर तथा लाभकारी सेवाओं के क्षेत्र के साथ-साथ दूरसंचार सेवाओं की व्यवस्था करने के मामले में सरकार की नीति में भी व्यापक परिवर्तन हुए हैं । अतः भारतीय तार अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के मामले में विस्तृत रूप से विचार-विमर्श करना आवश्यक हो गया है ताकि इससे भविष्य परक विधान के रूप में पुनः तैयार किया जा सके । अतः सरकार ने इस मामले पर विचार करने तथा उपयुक्त सिफारिशें करने के लिए एक समिति नियुक्त करने का निर्णय लिया है ।

3. समिति के सदस्य इस प्रकार होंगे :—

1. श्री डी० एन० नंदा,
सेवा निवृत्त, सदस्य
दूरसंचार आयोग ।
अध्यक्ष
2. श्री जी० टी० नागयणन,
सलाहकार (प्रचालन) ।
सदस्य

3. श्री बी० एन० भागवत,
अपर सचिव ।

दिनांक 28 फरवरी, 1992

परिशिष्ट

4. डा० एम० के० मिश्र,
परामर्शदाता
विधि एवं न्याय तथा कंपनी के कार्य
मंत्रालय ।

सदस्य

विषय :— भारतीय तार अधिनियम, 1885 की पुनरीक्षा करने तथा
उपयुक्त संशोधनों की सिफारिश करने के लिए समिति का
गठन ।

5. लोक शिकायत विभाग,
का एक प्रतिनिधि ।

सदस्य

सं० 2-1/91-टी० सी० ओ०—4 नवम्बर, 1991 को जारी की
यह अधिसूचना में समिति के विचारार्थ विषयो में पैरा-4 के अंत में
अनुच्छेद (VII) के रूप में निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा ।

6. श्री आर० सी० रस्तोगी,
वरिष्ठ उप महानिदेशक (वित्त) ।

सदस्य

भारतीय बेतार-तार अधिनियम, 1933 और तार बायर (गैर-
कानूनी-स्वामित्व) अधिनियम, 1950 को मिला-अलग अधिनियमों के
रूप में जारी रखने की प्राथमिकता अथवा इनमें उपयुक्त संशोधन करके
भारतीय तार अधिनियम, 1885 के ढांचे में शामिल करने पर विचार
करना ।

7. गृह मंत्रालय (अनुवेषण ब्यूरो),
का एक प्रतिनिधि ।

सदस्य

8. श्री एम० बी० रामामूर्ति,
उप महानिदेशक (सतर्कता) ।

सदस्य

आर० रामानुजम,
संयुक्त सचिव (प्रशासन एवं संसद)

9. श्री ए० एम० जोशी,
बायरलैस सलाहकार ।

सदस्य

विद्युत एवं अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय

10. श्री एस० के० डेय,
वरिष्ठ उप महानिदेशक (सी० एस०) ।

सदस्य

(विद्युत विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 26 फरवरी 1992

11. श्री एस० एम० गंधीर,
उप महानिदेशक (टी० एफ० एस०) ।

संयोजक,

संकल्प

4. समिति के विचारार्थ से विषय इस प्रकार हैं :—

(एक) दूरसंचार के क्षेत्र में हुए विभिन्न प्रकार के विकास के संदर्भ में
अधिनियम की आधारभूत संरचना का परीक्षण ।

(दो) अनावश्यक अनुच्छेदों को हटाने की सिफारिश करना जिनका
इस्तेमाल नहीं हो रहा है ।

(तीन) सेवाओं के प्रचालन एवं अनुरक्षण के बारे में नए अनुच्छेदों का
समावेश करने के लिए सलाह देना जो कि पुराने अधिनियम में
नहीं हैं ।

(चार) दूरसंचार सेवाओं को सुचारु रूप से चलाने एवं वर्तमान प्रावधानों
को और अधिक सार्थक एवं कारगर बनाने के लिए संशोधनों
का परामर्श देना ।

(पांच) भारत के संविधान द्वारा मान्य गोपनीयता के अधिकार के संदर्भ में
बीच में टेलीफोन सुनने से सम्बंधित अधिनियम के प्रावधानों में
संशोधन का परामर्श देना ।

(छः) उन प्रावधानों के बारे में विचार करना जिसके अन्तर्गत गैर-
कानूनी रूप से दूरसंचार लाइनों का मार्ग बदलना अभियोज्य
अपराध बन जाता है ।

(सात) उन अन्य संशोधनों के बारे में विचार करना जो कि दूरसंचार
सेवाओं में सुधार के लिए उपयुक्त समझे जाएं ।

गठन :

विद्युत एवं अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत राज्य मंत्री
(स्वतंत्र प्रभार)

अध्यक्ष

सब सदस्य (लोक सभा) :

1. श्री एस० एस० सोलंकी

सदस्य

2. श्री गुमानमल लोधी

सदस्य

संसद सदस्य (राज्य सभा) :

3. श्रीमती मनोरमा पांडेय

सदस्य

4. श्री विशास चंद, मानव विकास

सदस्य

संसदीय राजभाषा समिति द्वारा नामित संसद सदस्य :

5. चौधरी हरमोहन सिंह (राज्य सभा)

सदस्य

6. श्री जून जून प्रसाद यादव (लोक सभा)

सदस्य

केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद का प्रतिनिधि :

7. श्री महादेव सुब्रमणियन, सेवा निवृत्त सचिव,
भारत सरकार एवं अध्यक्ष परामर्श समिति,
केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद

सदस्य

विद्युत विभाग द्वारा नामित हिन्दी विद्वान

8. अध्यक्ष, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, (पृथ्वी),
महाराष्ट्र ।

सदस्य

9. श्री अवधेश कुमार सिंह, सी 19/102, काशी विद्यापीठ, वाराणसी, उ० प्र० ।	सदस्य	23. अध्यक्ष तथा प्रबन्ध निदेशक, विद्युत वित्त निगम, चन्द्रलोक बिल्डिंग, जनपद नई दिल्ली ।	
10. श्री रामाश्रय पाण्डेय, ग्रु० पूर्ब प्रधानाचार्य, सर्वोदय डिग्री कॉलेज, बीसी, जिला मऊ, उ० प्र० ।	सदस्य	24. अध्यक्ष तथा प्रबन्ध निदेशक, ग्राम विद्युतीकरण निगम, डी० डी० ए० बिल्डिंग, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।	सदस्य
11. श्री वर्मान सिंह यादव, 127, न्यू कालोनी, इटावा, उ० प्र० ।	सदस्य	25. अध्यक्ष तथा प्रबन्ध निदेशक, राष्ट्रीय विद्युत संचारण निगम, हेमकुण्ट चैम्बर्स, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।	सदस्य
12. श्रीमती कांसा शुक्ला, 19-डी, राजाजी पुरम, लखनऊ उ० प्र० ।	सदस्य	26. अध्यक्ष, नाथपा झाकरी विद्युत निगम, भाई वीर सिंह साहिब सदन, गोत मार्किट, नई दिल्ली ।	सदस्य
गृह मंत्रालय (राजभाषा विभाग) द्वारा नामित सदस्य :		27. अध्यक्ष तथा प्रबन्ध निदेशक, दिहरी जल विद्युत विकास निगम, विक्रम टावर, 15वीं मंजील, राजेश्वर प्लेस, नई दिल्ली ।	सदस्य
13. श्री रबोन्द्र कुमार, प्राध्यापक, क-4, अध्यापक कुटीर, एस० एस० यूनिवर्सिटी, भाफ बड़ीया (गुजरात)	सदस्य	28. महा निदेशक, विद्युत इंजीनियर प्रशिक्षण सोसायटी, शिरजीव टावर, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।	सदस्य
14. डा० बिलट पासवान शास्त्री, सेखर एबं अध्यक्ष, बिहार कालेज सेवा आयोग, बोरिंग रोड, पटना (बिहार)	सदस्य	29. सचिव, ब्यास निर्माण बोर्ड, 45, काका नगर, नई दिल्ली ।	सदस्य
15. श्रीमती एस० महासखम्मा, कर्मिक हिन्दी सेवा समिति, 1734, मेनरोड, जामराजपेट, बंगलौर-560018 ।	सदस्य	30. अध्यक्ष, भाखड़ा ब्यास प्रबन्ध बोर्ड, सैंक्टर 19-डी, जण्डीगढ़ ।	सदस्य
सरकारी सदस्य :		31. अध्यक्ष, वामोवर घाटी निगम, मवानी भवन, अलीपुर, कलकत्ता-27 ।	सदस्य
राजभाषा विभाग :		32. महा निदेशक, केन्द्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, पीस्ट बाक्स-1242, बंगलौर-560012 ।	सदस्य
16. सचिव, राजभाषा विभाग और भारत सरकार के हिन्दी सलाहकार ।	सदस्य	33. अध्यक्ष तथा प्रबन्ध निदेशक, उत्तर-पूर्वी विद्युत शक्ति निगम, बाबरी मेंशन, धानखेती, शिलांग (मेघालय) ।	सदस्य
17. सम्बन्धित संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग ।	सदस्य	34. सेखा नियंत्रक, विद्युत विभाग, सेवा भवन, भार० के० पुरम, नई दिल्ली ।	सदस्य
विद्युत विभाग :			
18. सचिव (विद्युत)			
19. विशेष सचिव (विद्युत)			
विद्युत विभाग के नियंत्रणाधीन कार्यालयों/सार्वजनिक क्षेत्र कंपनियों काचि के प्रतिनिधि :			
20. अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, सेवा भवन, भार० के० पुरम, नई दिल्ली ।	सदस्य		
21. अध्यक्ष तथा प्रबन्ध निदेशक, राष्ट्रीय जल विद्युत निगम, स्कोप बिल्डिंग, सी० जी० रो० काम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली ।	सदस्य		
22. अध्यक्ष तथा प्रबन्ध निदेशक, राष्ट्रीय जल विद्युत निगम, हेमकुण्ट टावर, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।	सदस्य		

35. निदेशक,
ऊर्जा प्रबन्ध केन्द्र,
118, आशीर्वाद, सी-1, ग्रीन पार्क,
नई दिल्ली ।

सदस्य

खान मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1991

संकल्प

36. राजभाषा सम्बन्धी कार्य के प्रभारी
संयुक्त सचिव, विद्युत विभाग ।

सदस्य-सचिव

सं० 12(1)/91-खान-6—इस मंत्रालय के दिनांक 30 मार्च, 1987 के संकल्प संख्या 12(3)/87 का अतिक्रमण करते हुए भारत सरकार ने तत्काल खनिज सलाहकार परिषद् का पुनर्गठन करने का निर्णय किया है। खनिज सलाहकार परिषद् का गठन और उसके कार्य इस प्रकार होंगे :—

गठन

अध्यक्ष

यह समिति सरकारी प्रयोजनों के लिए हिन्दी के उत्तरोत्तर प्रयोग से सम्बन्धित मामलों तथा सहायक और प्रासंगिक मामलों पर विद्युत एवं अपारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय (विद्युत विभाग) और इसके सम्बद्ध अधीनस्थ/नियंत्रणाधीन कार्यालयों/निगमों/सोसायटियों/बोर्डों आदि को सलाह देगी ।

समिति सहयोजित सदस्यों के रूप में अतिरिक्त सदस्य नामजद कर सकेगी और बैठकों में भाग लेने के लिए आवश्यकतानुसार विशेषज्ञों को भी आमंत्रित कर सकेगी ।

3. समिति का कार्यकाल :

समिति के सदस्यों का कार्यकाल सामान्यतः इनके गठन की तारीख से 3 वर्ष होगा, अर्थात् कि :—

(क) समिति के नामजद संसद-सदस्य की सदस्यता उनके संसद सदस्य न रहने पर समाप्त हो जायगी ।

(ख) समिति के पदेन सदस्य उस समय तक सदस्य रहेंगे जब तक वे उस पद पर रहते हैं, जिसके माते वे इस समिति के सदस्य हैं ।

(ग) किसी सदस्य के रजापत्र, मृत्यु इत्यादि कोई स्थान रिक्त हो जाता है तो उस रिक्ति पर नियुक्त सदस्य गेष् अवधि के लिए सदस्य बना रहेगा ।

4. यात्रा भत्ता तथा अन्य भत्ते :

समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए गैर-सरकारी सदस्यों को सरकार द्वारा समय-समय पर सशोधित निर्धारित दरों एवं नियमों के अनुसार यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता दिया जायगा ।

5. मुख्यालय :

समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति समिति के सभी सदस्यों, सभी राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन, प्रधान मंत्री कार्यालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, मन्द्रीय कार्य मंत्रालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, राष्ट्रपति सचिवालय, योजना आयोग, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों को भेज दी जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि आम जानकारी के लिए यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

जे० बी० मेहतानी,
संयुक्त सचिव

1. राज्य मंत्री (खान)

सदस्य

2. सांसद (लोक सभा)

3. सांसद (राज्य सभा)

4. सचिव, खान मंत्रालय, नई दिल्ली ।

5. अपर सचिव, खान मंत्रालय, नई दिल्ली

6. महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, कलकत्ता

7. महानियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो, नागपुर ।

8. महानिदेशक, खान सुरक्षा, धनबाद ।

: निम्नलिखित का एक-एक प्रतिनिधि

9. वाणिज्य मंत्रालय, नई दिल्ली ।

10. वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली ।

11. रेल मंत्रालय, नई दिल्ली ।

12. योजना आयोग, नई दिल्ली ।

13. कोयला मंत्रालय, नई दिल्ली ।

14. इस्पात मंत्रालय, नई दिल्ली ।

15. उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली ।

16. पर्यावरण और वन मंत्रालय, नई दिल्ली ।

17. महासागर विकास विभाग, नई दिल्ली ।

18. खनिज तथा धातु व्यापार निगम, नई दिल्ली ।

19. खनिज गवेषण निगम लिमिटेड,
नागपुर ।

20. सी० प्रो० एस० एम० आई० सी०
(राज्य खनिज निगम परिषद्) ।

21. बिहार सरकार	स्थायी सदस्य	43. माइनिंग, ज्योलोजिकल एण्ड मेटलर्जिकल इंस्टीट्यूट आफ इंडिया, कलकत्ता ।	
22. उड़ीसा सरकार		44. नेशनल मेटलर्जिकल लैबोरेटरी जमशेदपुर	
23. मध्य प्रदेश सरकार		45. से 48. राज्य मंत्री (खान) द्वारा नामित सार्वजनिक जीवन के 4 सदस्य ।	
24. राजस्थान सरकार		49. संयुक्त सचिव, खान मंत्रालय,	सदस्य-सचिव
25. कर्नाटक सरकार			
26. गोवा सरकार			
27. आंध्र प्रदेश सरकार			
28. महाराष्ट्र सरकार			
29. गुजरात सरकार			
30. पश्चिम बंगाल अथवा मेघालय सरकार	बारी-बारी से एक-एक वर्ष के लिए	1. भूमि और समुद्र तक से दूर क्षेत्रों में खनिजों की खोज के लिए सलाह देना ।	
31. तमिलनाडु अथवा केरल सरकार		2. खनिजों के उत्पादन, आंतरिक वितरण और खपत के बारे में सलाह देना ।	
32. उत्तर प्रदेश अथवा दिल्ली प्रशासन		3. खनिजों के आयात और निर्यात के बारे में सलाह देना ।	
33. पंजाब अथवा हरियाणा सरकार		4. खनिज क्षेत्रों में मानव संसाधन विकास और अनुसंधान और विकास से सम्बद्ध मामलों पर सलाह देना ।	
34. जम्मू व कश्मीर अथवा हिमाचल प्रदेश सरकार		5. खनन कार्यों में पर्यावरण संरक्षण/पुनर्गठन तथा पर्यावरण और परिवेश पर पड़े प्रतिकूल प्रभाव पर उचित कदम उठाने की सलाह देना ।	
35. असम अथवा नागालैंड सरकार		6. खनिज नीति और कानून के बारे में सलाह देना ।	
36. फेडरेशन आफ इंडियन मिनरल इंडस्ट्रीज, नई दिल्ली ।		7. परिषद् के विचार-विमर्श के दौरान उत्पन्न महत्वपूर्ण मुद्दे अथवा किसी भी विषय को भारत सरकार के विचार हेतु ध्यान में लाना ।	
37. ईस्टर्न जोन माइनिंग एसोसिएशन			
38. इंडियन फ़ैरो-ग्लास प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन बंबई ।			
अथवा			
आल इंडिया ग्रेनाइट और स्टोन एसोसिएशन, बंगलौर ।			
39. फेडरेशन आफ माइनिंग एसोसिएशन, जयपुर ।			
अथवा			
गुजरात मिनरल इंडस्ट्री एसोसिएशन, अहमदाबाद ।			
40. गोवा मिनरल और एक्सपोर्ट्स एसोसिएशन, गोवा ।			
अथवा			
खान मालिक संगठन, बेंगलूरि-हास्पेट सेक्टर ।			
41. सीमट मैनुफैक्चर्स एसोसिएशन, बंबई ।			
अथवा			
इंडियन री-फ्रेक्टरी मेकर्स एसोसिएशन, कलकत्ता ।			
42. कोडरमा माइका माइनिंग एसोसिएशन			
अथवा			
साउथ-इंडिया माइका माइन ओनर्स एसोसिएशन, गुंडूर, आंध्र प्रदेश ।			

कार्य

1. भूमि और समुद्र तक से दूर क्षेत्रों में खनिजों की खोज के लिए सलाह देना ।
2. खनिजों के उत्पादन, आंतरिक वितरण और खपत के बारे में सलाह देना ।
3. खनिजों के आयात और निर्यात के बारे में सलाह देना ।
4. खनिज क्षेत्रों में मानव संसाधन विकास और अनुसंधान और विकास से सम्बद्ध मामलों पर सलाह देना ।
5. खनन कार्यों में पर्यावरण संरक्षण/पुनर्गठन तथा पर्यावरण और परिवेश पर पड़े प्रतिकूल प्रभाव पर उचित कदम उठाने की सलाह देना ।
6. खनिज नीति और कानून के बारे में सलाह देना ।
7. परिषद् के विचार-विमर्श के दौरान उत्पन्न महत्वपूर्ण मुद्दे अथवा किसी भी विषय को भारत सरकार के विचार हेतु ध्यान में लाना ।

अवधि

परिषद् का कार्यकाल केन्द्रीय सरकार द्वारा विशेष रूप से उसकी अवधि न बढ़ाये जाने की स्थिति में 4 वर्ष होगा ।

आदेश

यह आदेश दिया जाता है कि यह सकल्प सभी राज्य सरकारों, भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, प्रधान मंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसदीय कार्य मंत्रालय, योजना आयोग, भारत के महानियंत्रक और लेखापरीक्षक, महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, महानियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो, महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, कलकत्ता परमाणु ऊर्जा विभाग, पर्यावरण तथा वन मंत्रालय, महासागर विकास विभाग, खनिज तथा धातु व्यापार निगम को भेजा जाए ।

नई दिल्ली, दिनांक 19 फरवरी 1992

सं० 12(1)/91-खान-6—इस मंत्रालय के दिनांक 1 नवम्बर, 1991 के संकल्प सं० 12(1)/91-खान-6 के क्रम में भारत सरकार ने खनिज सलाहकार परिषद् के गठन में प्रविष्टि सं० 45 से 48 तक जनता से निम्नलिखित 4 व्यक्तियों को नामित करने का भी निर्णय किया है :—

45. श्री सुरेन्द्र गोलवा,
द्वारा गोलवा ग्रुप,
सी-83, पृथ्वीराज रोड,
जयपुर ।

46. डा० गौर हरि मिश्रानिया,
कमला टावर,
कानपुर ।

47. श्री अनिल खेतान,
ए-123, सत्य भवन,
नीति बाग,
नई दिल्ली-48 ।

48. सुश्री जी० तुलसी देवी,
104, जनक अपार्टमेंट्स,
पशा कोर्ट, पंजागुट्टा,
हैदराबाद ।

आदेश

यह आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प सभी राज्य सरकारों, भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, प्रधान मंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसदीय कार्य मंत्रालय, योजना आयोग, भारत के महानियंत्रक और लेखा परीक्षक, महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, महानियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो, महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, कलकत्ता, परमाणु ऊर्जा विभाग, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, महामागर विकास विभाग, खनिज तथा धातु व्यापार निगम को भेजा जाए ।

एस० एन० मिश्रा,
संयुक्त सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 18th March 1992

No. 17-Pres/92.—The President is pleased to approve the award of 'Sarvottam Jeevan Raksha Padak' to the under-mentioned persons :—

1. Shri Ravubha Damubha Gohil, (Posthumous)
Village & P.O. Thalsar,
Taluka Bhavnagar,
District Bhavnagar, Gujarat.

On 23rd July, 1990, on the occasion of 'Divasa', the first day of the month of 'Sravan', many young girls had gone to the sea for bathing. They were playing around in shallow waters. Suddenly the water level rose and the girls were swept into the deep waters. They were struggling for their lives and screaming for help. On hearing their screams, Shri Ravubha Damubha, who happened to be around rushed to their rescue. He immediately plunged into the sea and rescued the helpless girls one by one. He could thus save the lives of eight girls by making successive trips into the sea. He also tried to rescue the remaining three girls who were getting swept away but could not succeed because of too much exhaustion. In the process, he collapsed in the sea and was taken out by other villagers and rushed to the hospital but he died before reaching the hospital.

Shri Ravubha Damubha Gohil displayed exemplary courage and promptitude in saving the lives of eight drowning girls. While trying to rescue three more girls he sacrificed his own life.

2. Kumari Surmesh, (Posthumous)
D/o Shri Jai Singh,
Village Vaibra,
Tehsil Kumher, Distt. Bharatpur,
Rajasthan.

On 23rd July, 1990, Kumari Surmesh alongwith her fellow students went to a pond for taking bath. While taking bath five girls started drowning. Kumari Surmesh jumped into the pond and brought three of the drowning girls out of water one by one. The other two girls who drifted into deep waters were crying for help. Kumari Surmesh again jumped into the pond to rescue them. But both the desperate girls firmly caught hold of her making 4—511 GI/91

her movements difficult and Kumari Surmesh herself alongwith the two girls drowned.

Kumari Surmesh displayed conspicuous courage of a very high order in saving the lives of 3 girls and in the process of saving the lives of two other girls, she sacrificed her own life.

New Delhi, the 18th March 1992

No. 18-Pres/92.—The President is pleased to approve the award of 'Uttam Jeevan Raksha Padak' to the under-mentioned persons :—

1. Shri Chau Kingkhung Langkhung,
Jawahar Navodaya Vidyalaya,
Mahadevpur, Namsai,
Lohit District,
Arunachal Pradesh, Pin-792 013.

On 1st September, 1990, 12 students of Jawahar Navodaya Vidyalaya, Mahadevpur alongwith their physical education teacher went to Noa-Dehing river bank for collecting sand for spreading in the school ground for sportsmeet. Having collected and loaded the sand, the students went for bath in the river. While bathing, three students were swept away by the under current. On seeing this, Shri Chau Kingkhung Langkhung rushed to their rescue. He immediately jumped into the river and caught one of the drowning boys Shri Sanjaya Bharti and dragged him ashore. Again he jumped into the river and rescued another boy Shri Bahise Bellai. He tried to rescue the third boy also but he could not locate him as he was washed away by the fast current.

Shri Chau Kingkhung Langkhung showed conspicuous courage and promptitude in saving the lives of two drowning boys unmindful of the grave risk involved to his own life.

2. Shri Anirudhdhsinh Juvansinh Zala,
Village Meghpur (Zala),
Via Tankara, Taluka Morbi,
District Rajkot, Saurashtra,
Gujarat.

On 28th September, 1988, Jam Khambhaliya area of Saurashtra was inundated by heavy floods in the river Simhan and a truck carrying five members of a family was stuck up in the flood waters. All the marooned persons were shouting for help. Meanwhile a State transport bus going from Dwarka to Gariadhar reached the spot. Sensing the gravity of the situation, the conductor of the bus Shri Anirudhdhsinh Juvansinh Zala rushed to their rescue. He jumped into the flood waters and brought out a couple. He again jumped into the river and rescued an old man a small boy. The life of a baby could not be saved as he was swept away.

Shri Anirudhdhsinh Juvansinh Zala showed conspicuous courage and promptitude in saving the lives of 4 persons from drowning unmindful of the grave risk involved to his own life.

3. Shri Rodawla, (Posthumous)
S/o Shri C. Thangzuala,
Village Tualte,
P.O. : Khawzawl,
Mizoram.

On 10th September, 1990, Shri Rodawla and has two friends S/Shri Sapchhawna and Sangluanga went to Tuipui river for fishing. After fishing they were returning home in the evening with their catch. Shri Rodawla swam across the river and reached the opposite bank first and waited for his friends. Unfortunately, when the other two persons were half-way across the river, a flash flood overtook them and they were on the verge of being swept away by the strong currents. On hearing their frantic calls for help, Shri Rodawla immediately jumped back into the swirling waters and managed to catch hold of the two persons who were struggling for their lives. He guided them safely to a large driftwood from where they were able to swim ashore.

But no sooner had his friends swam ashore than Shri Rodawla himself was entangled in the fishing net that he had draped around his shoulder and which had come loose in the water. The day's hard work and the super-human efforts made to save his friends had taken their toll on his strength and his desperate do-or-die attempts to free himself were of no avail and he ultimately drowned.

Shri Rodawla showed conspicuous courage and promptitude in saving the lives of his two friends from drowning and in the process made the supreme sacrifice

4. Shri Rajendra Singh, (Posthumous)
Village Bhanargoon, (Bhandargaon)
Patwari Area Kama,
P.O. Baghwali Pokhar,
Tehsil Ranikhet, Distt. Almora,
Uttar Pradesh.

On 28th December, 1989, a U.P. Roadways bus from Ranikhet to Garun, with more than 45 persons on board, suddenly caught fire and the fire spread so fast that there was no reaction time for the passengers to get out of the burning bus. This resulted in the instant death of 14 persons including 5 women and 3 children. Shri Rajendra Singh made valiant efforts to save the lives of the trapped persons. Undaunted by the raging fire, he entered the burning bus and brought two children out. Though he could save the lives of the two children, he lost his life in the process.

Shri Rajendra Singh displayed conspicuous courage and promptitude in saving the lives of two hapless children but in the process sacrificed his own life.

5. IC-132555 Subedar Paras Nath Yadav, (Posthumous)
Village Manihariya, P.O. Gorakhpur,
District Gorakhpur, Uttar Pradesh.

On 12th March, 1990, in Village Manihariya, a twelve year old boy accidentally fell into river Ranti and was being swept away by the fast currents. Though many persons saw this, none dared to come forward to rescue the hapless boy. Subedar Paras Nath Yadav, who happened

to be there, at once jumped into the swollen river to save the life of the boy. After much struggle, he located the boy, lifted him up on his back and swam towards the river bank. As the bank was far off, he started to swim down-stream with the boy on his back towards a rocky boulder. However, as the under current was too severe to withstand his grip on the rock, he quickly helped the boy climb the rocky boulder. The boy on climbing the rocky boulder held on to the rescuer's arm with a view to prevent him from being washed away but the roaring water currents failed the boy to hold him on and thus drowned the exhausted rescuer. After some time, two boatmen reached the spot and rescued the JCO as well as the boy. The JCO was rushed to the local health centre where he was declared dead.

Subedar Paras Nath Yadav showed conspicuous courage and promptitude in saving the life of a twelve year old boy and in the process lost his own life.

6. 66411089 Sub Inspector Karam Singh,
92 Battalion, BSF,
C/o 56 APO.

On 24th March, 1991, a bus carrying 26 passengers from Khalsi to Hanuthang skidded and fell into the Indus river near village Achinathang, District Ladhak (J&K). The bus was submerged in the river and all the passengers were trapped inside. One of the passengers, Sub Inspector Karam Singh of BSF managed to break open the wind shield of the bus and came out of the bus as well as river water and anchored the bus with ropes singlehandedly. Then he swam in the river in sub-zero temperature upto the bus and retrieved the trapped passengers. He carried all the 25 passengers on his shoulders, one by one, to safety by ferrying 25 times over a distance of 25 feet in 8 to 10 feet deep water. He administered first aid to them and kept them warm.

Sub Inspector Karam Singh showed exemplary courage and promptitude in saving the lives of 25 persons unmindful of the risk to his own life.

A. K. UPADHYAY, Director

New Delhi, the 28th March 1992

No. 19-Pres/92.—The President is pleased to approve the award of 'Jeevan Raksha Padak' to the undermentioned persons :

1. Smt. Mungala Laxmi,
Somasila Village, Kollapur Mandal,
Mahabubnagar District,
Andhra Pradesh.

On 11th May, 1991, a country boat carrying 11 persons of Madgul village capsized in the middle of river Krishna at Somasila ghat due to heavy winds and all the passengers fell into the river. They were struggling for their lives and crying for help. Smt. Mungala Laxmi who was fishing nearby heard their frantic shouts and rushed to their aid in her small country boat. She picked up nine of the drowning persons and brought them ashore.

Smt. Mungala Laxmi showed exemplary courage and promptitude in saving the lives of nine persons unmindful of the risk involved to her own life.

2. Shri Dharam Vir Singh,
Village & Post Office Kiloi Khas,
Tehsil & Distt. Rohtak,
Haryana.

On 21st March, 1991, Smt. Sheela, after a domestic quarrel, left her house with her two sons, 5 year old Neeraj and 2 year old Khushi Ram, and 8 year old daughter Reena, and went to a deserted well. In a fit of rage, she threw her sons into the well and, when she wanted to do the same with her daughter also, she somehow managed to escape and rushed

to Delhi-Hisar Highway, about 100 feet away from the well. Meanwhile, Smt. Sheela also jumped into the well to commit suicide. Reena rushed to some labourers working there and narrated the whole episode. Shri Dharam Vir Singh and other labourers at once rushed to the site. Shri Singh immediately jumped into the well to save the children and the woman. He caught hold of the drowning children. He carried one child on his shoulder and took the other in his arm. Meanwhile the other labourers lowered a rope into the well. Shri Dharam Vir Singh firmly caught hold of the rope with his other hand. The labourers pulled the rope up and the moment Shri Dharam Vir Singh was about to come out of the well with the two children, one of the children fell into the well. Shri Dharam Vir Singh handed over the child on his shoulder to fellow labourers and again jumped into the well to save the child and his mother. Smt. Sheela resisted his efforts but Shri Singh successfully brought the child out of the well. He was about to jump again into the well to save Smt. Sheela but by then she had drowned.

Shri Dharam Vir Singh displayed exemplary courage in saving the lives of the two hapless children from drowning unmindful of the risk involved to his own life.

3. Shri Rajesh Kumar,
Village Kheri,
Sub-Tehsil Sujampur,
Distt. Hamirpur, Himachal Pradesh.

On 9th December, 1990, a boat carrying a marriage party capsized in the middle of river Basanti and the lives of the passengers were in peril. Shri Rajesh Kumar who happened to see this mishap rushed to their aid. He tied one end of a rope to his waist, the other end held firmly by a person sitting on the bank, and jumped into the river and rescued 9 persons one by one.

Shri Rajesh Kumar showed conspicuous courage and promptitude in saving the lives of 9 persons from drowning unmindful of the risk involved to his own life.

4. Shri N. Lakshmaiah Reddy,
No. 57, Challaghatta, Yemlur Post,
Bangalore-560 037.

On 14th February, 1990, an Indian Airlines Aircraft A-320 crashed near Bangalore and the aircraft turned into a ball of fire after hitting the ground. Shri N. Lakshmaiah Reddy who was on his way home saw this and rushed to the site. With great courage and determination, he pulled out from the burning aircraft 7 persons including 3 children and a woman.

Shri Lakshmaiah Reddy showed exemplary courage, presence of mind and promptitude in saving the lives of 7 persons unmindful of the grave risk involved to his own life.

5. Shri T. Anilkumar
Panakakuzhiyil Veedu, Maroor,
Mellasserry P.O., Pramadam Village,
Kozhencherry Taluk,
Pathanamthitta District, Kerala.

On 1-10-1989, Shri Sudersanan, while bathing at the Vyzhikadavu ghat, fell into Achenkovil river and was drowning. The river was heavily flooded due to continuous showers on previous day and uprooted trees were also floating making any rescue act perilous. Unmindful of the hazardous situation, Shri Anilkumar jumped into the swollen river and rescued the hapless victim.

Shri Anilkumar showed exemplary courage and promptitude in saving the life of Shri Sudarsanan, unmindful of the risk involved to his own life.

6. Master V. K. George,
Venganthanam,
Chamampathal P.O.,
Changanessery Taluk,
Kottayam District,
Kerala.

7. Master P. S. Sujal,
Palaparambil House,
Chamampathal P.O.,
Changanacherry Taluk,
Kottayam District,
Kerala.

On 21st June, 1990, two sisters, Kumari Sini and Kumari Simi, students of Holy Family U.P. School, Elangoi were returning home from the school. While crossing a canal through coconut planks which connected the two banks, Kumari Sini slipped and fell into the canal. The canal was heavily flooded and was having strong current due to heavy rains, and the young girl was struggling for her life. Seeing this, her elder sister, Kumari Simi jumped into the canal to rescue her sister. Both the girls were, however, swept away by the strong currents for about 150 feet downward towards a whirl pool. Master Sujal, a student of the same school, who happened to pass that way saw the plight of the girls and rushed to their aid. He at once jumped into the canal and caught hold of the drowning girls. He alongwith the girls, swam about 200 metres away from the bridge and rested there holding on to a plant. Meanwhile, Kumari Sini lost her hold of the plant and was about to drown. At that very point of time, Master George reached the spot and jumped into the canal. He helped Sini regain her hold of the plant and thus saved her from drowning. By this time local people gathered there and rescued the four children.

Master George and Master Sujal showed exemplary courage and promptitude in saving the lives of two helpless girls unmindful of the grave risk involved to their own lives.

8. Kumari Muneera
D/o Pallipuravan Veeran,
Manathumangalam, Perinthalmanna,
Malappuram District, Kerala.

On 14-7-1990, a few students of A.M.L.P. School, Manathumangalam were returning home from school. On the way, Kumari Muneera, a five year old girl, fell into a 25 feet deep well which was full of water and had no surrounding wall. The child was struggling for her life. On seeing this, Kumari Muneera, a nine year old student of the same school immediately jumped into the well and caught hold of her. She successfully brought the child out of water with the help of other students.

Kumari Muneera showed extraordinary courage and promptitude in saving the life of the 5 year old girl unmindful of the risk involved to her own life.

9. Shri Sunil Kumar
Majal House, Kanwartheertha
P.O., Kunjathur, Pin 671323
Kasaragod District, Kerala.

On 20th August, 1990, hundreds of people gathered on the sea-shore of Kanwartheertha to take holy dip in the sea on the occasion of Sharvana Amavasya. A group of 15 teenagers was taking bath in the sea and suddenly three of them were carried away by the waves. The boys were struggling for their lives and were drowning. Though they saw their pathetic plight, none dared to come forward to rescue the drowning boys. Shri Sunil Kumar saw this and rushed to their aid. He jumped into the sea and rescued the hapless boys one by one.

Shri Sunil Kumar showed exemplary courage in saving the lives of the three drowning boys unmindful of the risk involved to his own life.

10. Shri Verghese Thomas (Sunil)
Ambalathumkal House,
Varyapuram, Elanthoor East,
Pathanamthitta District,
Kerala State.

On 27th August, 1990, a mad dog went after a four year old child and a group of people were chasing away the dog. On seeing this, Shri Verghese Thomas realised the danger and rushed there. He caught the dog by its ears and pressed its face on to the ground. In the meantime, local people came and killed the dog. In the process, Shri Verghese sustained dog bite injuries.

Shri Verghese Thomas showed extraordinary courage and promptitude in rescuing the child from the claws of the mad dog.

11. Shri P.M. Mathew,
Pallithazhe House,
Chalukunnu, Kottayam, Kerala.

On 16-7-1990, Smt. Omana white washing clothes accidentally fell into the canal 'Aruthooty Kanjiramthode'. The canal was heavily flooded and was having strong currents. She was struggling for her life and was drowning. A girl who was nearby saw her plight and shouted for help. Though many persons gathered there, none dared to come forward to rescue her. Shri Mathew, who rushed there on hearing the shouts of the young girl, at once jumped into the canal from a 40 feet high retaining wall. He managed to catch hold of the drowning woman by hair and brought her ashore.

Shri Mathew showed conspicuous courage and promptitude in saving the life of a drowning woman.

12. Shri Anil Kumar Sambare,
Teacher, Resident of Pandhurna,
Post/Tehsil/P.S. Pandhurna,
District Chhindwara, Madhya Pradesh.

On 31st August, 1989, four youngmen who went to see the Gotmar fair in the Pandhurna village fall into the flooded Jam river and were drowning. Shri Anil Kumar Sambare who happened to see this rushed to their rescue and saved their lives.

On 5-3-90 a man was drowning in a 50 feet deep well. Shri Sambare jumped into the well and saved his life.

Shri Anil Kumar Sabare displayed conspicuous courage and promptitude on two occasions and saved the lives of 5 persons from drowning unmindful of the risk involved to his own life.

13. Shri Chingdu,
Village & P.O. Ghatakwal,
Tehsil Jagdalpur, District Bastar,
Madhya Pradesh.
14. Shri Trinath Sukul,
Village & P.O. Ghatakwal,
Tehsil Jagdalpur,
District Bastar, Madhya Pradesh.

On 4th August, 1991, a boat carrying 18 persons capsized in the river Indravati at Ghatakwal. Shri Chingdu and Shri Trinath Sukul and two other persons swam to the shore, but the others were struggling for their lives in the mid river. On reaching the shore, Shri Chingdu and Shri Trinath noticed the plight of the drowning persons and rushed to their rescue. They at once jumped into the river and rescued fourteen persons one by one.

Shri Chingdu and Shri Trinath Sukul showed exemplary courage and promptitude in saving the lives of fourteen persons from drowning unmindful of the risk involved to their own lives.

15. Shri Krishna Deo Singh,
Constable, Police Station,
Jhilmili, Distt. Surguja, M.P.

On 30th March, 1985, a party of about 50 persons went to attend the fair at Kudargarh on the occasion of Ramnaumi. On their way, the party stopped at the bank of the river 'Rend' to take bath. While bathing, four boys started drowning and shouted for help. Constable Krishna Deo Singh, who was on duty to manage the crowd in the fair, heard their shouts and rushed to their aid. He at once jumped into the river and rescued three boys one by one. Unfortunately the life of the fourth boy could not be saved.

Shri Krishna Deo Singh showed conspicuous courage and promptitude in rescuing the three drowning boys unmindful of the risk involved to his own life.

16. Master Om Parkash,
Village Guradia Bheel,
P.S. Barotha, Distt. Devas,
Madhya Pradesh.

In the month of June-July, 1990 in village Guradia Bheel, the house of Shri Saligram caught fire due to some electric fault and his 3-4 year old son was trapped inside the burning house. Master Om Parkash, who himself was just 11 year old, entered the burning house and brought out the boy safely.

Master Om Parkash showed conspicuous courage and promptitude in saving the life of a child from fire.

17. Master Vinod Kumar,
Village Karot, P.O. Barota,
T.O. Tehri-Sarel, Tehsil
Ghumarwi, Distt. Bilaspur,
Himachal Pradesh.

On 2nd March, 1990, a 3 year old boy, while playing, fell into a deep well and his playmates shouted for help. Master Vinod Kumar, on hearing the shouts, rushed there and saw the child drowning. He at once jumped into the well and caught hold of the child. He kept the child for 15 minutes on his back and kept swimming till a bamboo was lowered into the well for his support. He brought the child out of the well by scaling the wall of the well with the help of the bamboo.

Master Vinod Kumar showed exemplary courage and presence of mind in saving the life of a drowning child unmindful of the risk involved to his own life.

18. Shri Ajit Jayant Deshpande,
19 Bel-Haven, 6th Floor,
23, New Marine Lines,
Bombay-400 020.

On the night of 4th June, 1990, the Up Holiday Hyderabad Bombay V.T. train was involved in a collision with a goods train between Shankarpalli and Gottaguda. The two tier sleeper coach which was 5th from the engine derailed, tilted and was resting on its side and about 40 passengers were trapped inside. One of the passengers, Shri Ajit Jayant Deshpande, who was travelling in the said coach organised rescue operations. He rescued all the trapped passengers through a side opening.

Shri Ajit Jayant Deshpande displayed courage of high order in rescuing the trapped persons unmindful of the risk involved to his own life.

19. Shri Gajanand Sharma,
S.D.M., Karoli, Rajasthan.
20. Shri Nasir Khan,
A.S.I., P.S. Karoli, Rajasthan.

On 28th March, 1991, in Karoli town, a student Shri Ramganes, who was a tenant in the house of Shri Kailash Mahajan died in suspicious circumstances. Furious students and some anti-social elements of Meena community mobbed the house of Shri Mahajan. They stoned police officials and compelled them to leave the spot. On hearing about this, Shri Gajanand Sharma, S.D.M. reached the spot immediately and brought the dead body of Shri Ramganes out and sent it to the hospital in his own vehicle. At this point of time, the furious crowd set the house of Shri Mahajan on fire. Wife of Shri Mahajan, another lady and their five children were trapped inside the burning house. Shri Sharma and Shri Nasir Khan, A.S.I. entered the burning house and successfully brought the trapped persons out. In the process Shri Nasir Khan sustained injuries.

Shri Gajanand Sharma and Shri Nasir Khan displayed courage of a very high order and rescued the trapped persons

from the burning house unmindful of the grave risk involved to their own lives.

21. Shri Lalu Ram Meghwal,
C/o Shri Dalchand Salvi,
Imli Ghat, Purohiton Ka Khurra,
Chandpole Marg, Udaipur,
Rajasthan.

On 25th June, 1990, in Udaipur, three women belonging to one family went to the lake of Chandpole for taking bath and washing clothes. One of them slipped and fell into the lake. She was struggling for her life and was drowning. On seeing this, another woman jumped into the lake to rescue her but the drowning woman firmly caught hold of her and both the women were drowning. At this, the third woman also jumped in with the intention of saving the other two, but she too was caught hold of by the drowning women. As a result, all the three women were drowning in the lake. At this point of time, some women bathing nearby raised a hue and cry and called about 8 to 10 persons standing at the nearby Vyayam Shala. But none dared to come forward. Shri Lalu Ram Meghwal, who came there for taking bath, heard the frantic calls. He sensed the gravity of the situation and immediately jumped into the lake to rescue the hapless women. He successfully brought them ashore one by one.

Shri Lalu Ram Meghwal showed exemplary courage and promptitude in saving the lives of three drowning women unmindful of the risk involved to his own life.

22. Shri Sedu Ram Meena,
No. 13939017 (A), NK/AA,
S.R. Meena Base Hospital,
Delhi Cantt-10.

On the 11th September, 1989, a bus turned upside down near Hukumpura bus stand and all the passengers were trapped inside. On seeing this, Shri Sedu Ram Meena climbed the bus from behind and broke the glasses of windows and thus brought the injured passengers out. After giving them first aid, he took them to Primary Health Centre in a tractor for treatment and thus saved their lives.

Shri Sedu Ram Meena showed exemplary courage and rescued many persons trapped inside the ill-fated bus.

23. Shri P. Vinobha,
Anumar Koil Street, Gandhi Nagar,
Thamrakkulam Village,
Periyakulam P.O. Madurai,
District, Tamil Nadu.

On 23rd August, 1988, some students of P.S.N.A. College of Engineering and Technology, Dindigul went to Kumbakarai falls on excursion. After taking bath, one of the students was crossing the water and all of a sudden slipped and fell into deep water at Yanaikajam where the depth was about 90 feet. He was struggling for his life and was drowning. On seeing this, Shri Vinobha, watchman of the falls, immediately jumped into the water and rescued the hapless student.

Shri P. Vinobha showed courage and promptitude in saving the life of a drowning student unmindful of the risk involved to his own life.

24. Shri Bharat Singh,
Village & P.O. Kotmala,
Tehsil Roodriprayag, Distt.
Chamoli, U.P.

On 3rd April, 1991, Shri Bharat Singh took a bull and a buffalo of the Animal Husbandry department to the 'Dolu' pond. While they were drinking water, suddenly a tiger attacked the bull, and on seeing this, Shri Bharat Singh attacked the tiger with his grass-cutter. The tiger left the bull and pounced on Shri Bharat Singh. It struck him on his head with its claws and caught his left hand in its mouth. Shri Singh was struggling for his life and was shouting for help, all the while repeatedly hitting the beast with the grass-cutter with his right hand. The Tiger left him and was running away. On its way, it came across a woman working in a nearby field and attacked her. On seeing this, Shri Bharat Singh rushed to her aid. He repeatedly hit the beast with his grass-cutter on its legs. The beast left the woman and ran into the jungle.

Shri Bharat Singh displayed exemplary courage and promptitude in saving the life of a hapless woman from the claws of a wild animal.

25. Shri Chandra Lal,
Village Sankari, P.O. Trishula,
Tehsil & Distt. Chamoli, U.P. (Posthumous)

On 20th July, 1988, some officers of Joshimath were going to Badrinath in a jeep for attending a meeting. Shri Chandra Lal was driving the jeep. About 26 kms away from Joshimath, suddenly a few stones fell from a rock and damaged the jeep. Shri Chandra Lal was seriously injured and also had a fracture in the right hand. He sensed the gravity of the situation, as the jeep would certainly fall into the river below and persons in the jeep would die and maneuvered the jeep in such a way that it hit a hill side rock and came to a halt. By then, he became unconscious. All the injured persons were taken to Primary Health Centre. Shri Chandra Lal being seriously injured was taken to Distt. Hospital Gopeshwar but he succumbed to injuries on the way.

Shri Chandra Lal showed exemplary courage and presence of mind in saving the lives of five persons and in the process lost his own life.

26. Shri Tulshi Mondal,
62/2, Chetla Hat Road,
Calcutta-27.

On 15th February, 1990, Chlorine gas leaked out in large quantity from a commercial gas cylinder inside a shellac factory and four persons died instantly. Many people were seriously affected by the poisonous gas and the entire locality was panic-stricken. In that very grave circumstance, Shri Tulshi Mondal showed exemplary courage and entered the factory premises in a bid to remove the leaking gas cylinder. At the first instance he had to retreat due to heavy fumes of the pungent gas. Undaunted, he covered his face with a towel and entered the factory. He picked up the leaking cylinder from a cistern and brought it out. He threw the cylinder into the nearby Tolly's Nalah and thus prevented further spreading of the poisonous gas. In the process he suffered severe injuries on his hands due to corrosive chemicals and also suffered painful bronchial infections.

Shri Tulshi Mondal showed conspicuous courage and promptitude in averting what could have been a major disaster unmindful of the grave risk to his own life.

27. Gentleman Cadet Prem Kumar (Posthumous)
(GC No. 16415),
Village & P.O. Ami, Via Dighwara,
District Chapra, Bihar.

On 13th November, 1989, Gentleman Cadet Prem Kumar was proceeding to the football ground about one thousand yards away from the living barracks. A stream was to be crossed over a causeway before reaching the football ground. Due to heavy rains on the previous day, the water level in the stream had risen and was flowing over the causeway and it was dangerous to cross the causeway. He along with other gentlemen cadet decided to wait for their platoon commander to reach there. Suddenly, they saw Gentleman Cadet Tarun Vig going on a cycle with speed towards the causeway and shouting for help as his cycle was out of control. Gentleman Cadet Tarun Vig somehow managed to stop the cycle and dismounted on the causeway which was under water, but could not hold on because of the fast current of water. Gentleman Cadet Prem Kumar ran towards him but Tarun Vig fell into the water and was swept away by the current. Prem Kumar at once jumped into the water and swam upto Tarun Vig. He pushed him towards the river bank to safety and with this timely help he regained control and managed to get away from the fast current. However, in his endeavour to save his colleague, Prem Kumar got down into the fast current and whirlpool. He tried to swim towards the bank but in spite of his best efforts was swept away by the fast flowing stream.

Gentleman Cadet Prem Kumar showed exemplary courage and promptitude in saving the life of his colleague from drowning and in the process sacrificed his own life.

28. Major Narender Singh Grewal, (Posthumous)
(IC-25109)
4972, Model Town, Ludhiana,
Punjab.

Major Narender Singh Grewal was rowing coach for the national rowing squad for Asian Games, 1990 and on 28th July, 1990, he was detailed as Safety Officer for the conduct of the trials. His boat was behind the competitors and the umpire boat. While the boats were returning after the race was over, his boat suddenly stopped. In spite of his prompt efforts to restart it, the boat started drifting towards one of the existing cuts in the weir down stream of the river. Sensing the danger, he ordered other boats not to approach his boat and ordered to look after Shri C.P. Jacob, an official of the sports Authority of India, a non-swimmer. Even when being certain that his boat was about to topple over the weir, he directed all occupants to keep their cool and advised them not to leave hold of the boat. He was the last to get thrown out of the boat. Even after having got thrown out, he kept on directing all around to look after the safety of Shri Jacob. He lost his life presumably by either hitting a boulder or a stone in the gushing waters of the river and the water fall.

Major Grewal showed conspicuous courage and devotion to duty under trying conditions unmindful of the inherent risk and in the process made the supreme sacrifice.

29. Shri Jai Prakash LPT II (148509-Y),
INS Beas

On 12th April, 1990, a woman while crossing the Vendurathy bridge fell into the Ernakulam channel and was being swept away by fast currents. She was struggling for her life and was drowning. Though a large crowd gathered on the bridge, none dared to rescue the hapless woman. Jai Prakash LPT II who happened to be crossing the bridge at that time rushed to her rescue. He immediately jumped into the channel from the 30 feet high bridge and swam about 200 metres to reach the drowning woman. He caught hold of her and forced her head above water. He swam back to the shore firmly holding the woman. He gave first aid to her and rushed her to INHS Sanjivani for medical treatment.

Jai Prakash LPT II showed exemplary courage and promptitude in saving the life of the drowning woman unmindful of the grave risk involved to his own life.

30. 5841553 Havildar Tej Bahadur Khatri,
3/9, Gorkha Rifles,
C/o 56 APO.

On 29th April, 1990, Havildar Tej Bahadur Khatri along with Rifleman Chitra Bahadur Thapa and Rifleman Rishi Bahadur Thapa was on patrol in the area of 'Alla Mai di Kothi', a border village. The patrol party saw a bullock cart with two persons sitting on it approaching the crossing site on the ditch of the ditch-cum-bund which was filled with water. While crossing, one of the bullocks lost balance and fell into the ditch and dragged the cart into water. Both the persons on the cart fell into water and were drowning. On seeing this, Havildar Tej Bahadur Khatri removed his equipment and plunged into the ditch. He successfully rescued one of the drowning persons and brought him ashore. He again plunged into water to save the other drowning person. He could locate him only after 20 minutes in an unconscious state. The person was rushed to the civil hospital at Ranbir Singh Pura where he was declared dead.

Havildar Tej Bahadur Khatri showed exemplary courage and promptitude in saving the life of a drowning man unmindful of the risk involved to his own life.

31. 2/Lieutenant Vikas Kolhe,
(IC-48177), ASC
27 Madras C/o 56 APO

On 21st September, 1989, 2/Lieutenant Vikas Kolhe was travelling in an one-tone vehicle along with Major and Mrs. Rabindra Kumar and their three year old daughter on Kargil-Srinagar road. Due to mechanical failure the vehicle hit the cliff side and started falling into a ravine. 2/Lieutenant Kolhe displayed remarkable presence of mind

in quickly catching the young child and jumping clear off the falling vehicle. In the process he rolled over for about 300 feet and was able to save the life of the child.

Unmindful of his own injuries, on seeing Mrs. Rabindra Kumar dead, he organised the evacuation and hospitalisation of Major Kumar who later succumbed to injuries.

2/Lieutenant Kolhe displayed conspicuous courage and promptitude in saving the life of a 3-year old child unmindful of the grave risk to his own life.

32. Code No. 373/60 CPL Kumar Lama,
60 Road Construction Coy (GREF)
C/o 99 APO

On 2nd August, 1990, a massive land-slide occurred at KM 50.5 on Phuntsholing-Thimphu Road (Bhutan) causing total blockade of traffic at the point. Shri Kumar Lama was deployed as a sentry to watch the movement of shooting boulders from the hill top and to caution the dozer operators and others in case of any eventual danger. At about 1400 hrs., some locals of a nearby village came there to cross over to the other side of the slide. Despite warnings from Kumar Lama and other sentries, the villagers started crossing the slide point. In the meantime, Shri Kumar Lama noticed that another massive slide was rolling down. As the boulders started shooting down, Shri Kumar Lama, sensing great danger to the lives of the villagers, charged towards them on the moving slide with utter disregard to his own safety. He pushed the villagers physically to the other side in the nick of time and thereby managed to save them from getting buried under the debris. In the process, he himself slipped into the valley side and rolled down along with the debris and got severely injured.

Shri Kumar Lama showed extraordinary courage and promptitude in saving the lives of the villagers unmindful of the risk involved to his own life.

33. Shri Gaurav Gupta,
35, Sreshtha Vihar,
I.P. Extension Part.II,
Delhi-92.

On 23rd April, 1991, a nine-year old boy Master Nikhil Kumar Bahal fell into a deep sewer manhole and his life was in peril. Though many persons remained mute witness to the plight of the hapless boy, Shri Gaurav Gupta rushed to his rescue. He entered into the manhole and rescued the boy.

Shri Gaurav Gupta showed courage and promptitude in saving the life of the boy unmindful of the risk involved to his own life.

A. K. UPADHYAY, Director

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

New Delhi, the 3rd March 1992

No. 27/5/92-CL.II.—On attaining the age of superannuation the earlier notification No. 27/9/85-CL.II dated 29-10-85 authorising Shri B B Sawhney, Ex-Joint Director (Inspection) in the Office of the Deptt. of Company Affairs to discharge his duties under Section 209A of the Companies Act, 1956 is hereby withdrawn and treated as cancelled with effect from the afternoon of 31-12-1991.

No. 27/5/92-CL.II.—On his transfer to the post of Registrar of Companies, Goa, Daman & Diu, Department of Company Affairs, Goa, the earlier notification No. 27/5/91-CL.II dated 2-8-91 authorising Shri S. P. Kamble, ex-Assistant Inspecting Officer in the Office of Regional Director, Department of Company Affairs, Bombay to

discharge his duties under section 209A of the Companies Act, 1956 is hereby withdrawn and treated as cancelled with immediate effect.

No. 27/5/92-CL.II.—On his selection to the Post of Joint DGI&R (Senior), New Delhi the earlier notification No. 27/11/90-CL.II dated 12-9-90 authorising Shri R. K. Arora, ex-joint Director (Inspection) in office of Department of Company Affairs, New Delhi to discharge his duties under Section 209A of the Companies Act, 1956 is hereby withdrawn and treated as cancelled with effect from the afternoon of 10-12-1991.

MADHUKAR GUPTA, Under Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 22nd February 1992

No. 5/7/91-CHC-(i).—Under Rule 3 of the Rules of the National Foundation for Communal Harmony, the Ministry of Home Affairs has appointed the following as members of the National Foundation for Communal Harmony with immediate effect and until further orders :—

1. Union Home Minister, Government of *Chairman*
2. Minister of Human Resource Development, Government of India
3. Minister of Welfare, Govt. of India
4. Shri M. S. Agwani
5. Shri P. C. Alexander
6. Shri Shyam Benegal
7. Smt. Ela R. Bhatt
8. Shri R. P. Goenka
9. Dr. M. S. Gore
10. Ms. Quarratulain Hyder
11. Dr. A. M. Khusro
12. Shri Sayed Naqvi
13. Shri H. Y. Sharada Prasad
14. Smt. Amrita Pritam
15. Shri Khushwant Singh
16. Shri Raunaq Singh
17. Shri B. G. Verghese
18. Secretary, Ministry of Home Affairs, Government of India
19. Secretary, Department of Education, Ministry of Human Resource Development, Government of India
20. Secretary, Department of Women & Child Development, Ministry of Human Resource Development, Government of India
21. Secretary, Ministry of Welfare, Government of India
22. Secretary, Department of Expenditure, Ministry of Finance, Government of India
23. Joint Secretary (National Integration), Ministry of Home Affairs, Government of India

Secretary

No. 5/7/91-CHC(ii).—Under Rule 6 of the Rules of the National Foundation for Communal Harmony, the Ministry of Home Affairs has appointed the following as members of the Governing Council of the National Foundation for Communal Harmony with immediate effect and until further orders :—

1. Union Home Minister, Government of *Chairman*
2. Minister of Human Resource Development, Government of India
3. Minister of Welfare, Govt. of India
4. Shri M. S. Agwani
5. Shri P. C. Alexander
6. Shri Shyam Benegal
7. Smt. Ela R. Bhatt
8. Shri R. P. Goenka
9. Dr. M. S. Gore
10. Ms. Quarratulain Hyder
11. Dr. A. M. Khusro
12. Shri Sayed Naqvi
13. Shri H. Y. Sharada Prasad
14. Smt. Amrita Pritam
15. Shri Khushwant Singh
16. Shri Raunaq Singh
17. Shri B. G. Verghese
18. Secretary, Ministry of Home Affairs, Government of India
19. Secretary, Department of Education, Ministry of Human Resource Development, Government of India
20. Secretary, Department of Women & Child Development, Ministry of Human Resource Development, Government of India
21. Secretary, Ministry of Welfare, Government of India
22. Secretary, Department of Expenditure, Ministry of Finance, Government of India
23. Joint Secretary (National Integration), Ministry of Home Affairs, Government of India *Secretary*

RAM PHAL, Dy. Secy.

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

New Delhi, the 26th February 1992

RESOLUTION

No. 07011/1/91-Salt.—The Government of India have decided to reconstitute the Central Advisory Board for Salt with immediate effect. The composition of the re-constituted Central Advisory Board (hereinafter called "the Board") will be as follows :—

1. **CHAIRMAN**
Minister of State (Industrial Development)
- MEMBERS**
Representatives of Central Government Departments/ Organisations.
2. Joint Secretary in charge of Salt, Department of Industrial Development.
3. Director, Central Salt & Marine Chemicals Research Institute, Bhavnagar.
4. Joint Secretary in charge of Goitre Control Programme, Ministry of Health.

5. Director (Traffic & Transport),
Ministry of Railways.

Representatives of Salt Producing States

6. Industries Commissioner,
Govt. of Gujarat.
7. Secretray, Deptt. of Industries,
Govt. of Andhra Pradesh.
8. **Secretary, Deptt. of Industries,
Govt. of Tamil Nadu.**
9. **Secretary, Deptt. of Industries,
Govt. of Rajasthan.**
10. **Secretary, Deptt. of Industries,
Govt. of Orissa.**
- Representatives of the State Governments other than
Salt Producing States*
11. Secretary, Department of Food & Civil Supplies,
Govt. of Assam.
12. Secretary, Department of Food & Civil Supplies,
Govt. of Uttar Pradesh.

Representatives of Salt Manufacturers

GUJARAT

13. Shri B. R. Kamdar, Kamdar Salt & Chemical Industries, Urmi, Jamnagar.
14. Shri Krishnamurailal Agarwal, President,
Dharangadhara Inland Salt Manufacturers' Association.

TAMIL NADU

15. Shri John Motha, Sahyamatha Salterns Limited,
101, South Cotton Road, Tuticorin.

ANDHRA PRADESH

16. Shri S. V. Bhaskar Reddy, Dhargamitta,
Nellore.

MAHARASHTRA

17. Shri Ebrahim Fakih, Palgarh.
18. Shri Damodar Behara, President,
M/s Bahuda Salt Production & Sales Co-operative
Society, Surla, Distt. Ganjam.

RAJASTHAN

19. Chairman-cum-Managing Director,
Hindustan Salt Ltd., Jaipur.

WEST BENGAL

20. Shri Samendra Dutta, Managing Director,
M/s Bengal Salt Co. Ltd.,
Calcutta.

Representative from the North Eastern Region

21. Shri Rajindra Kumar Lohia, of
M/s Jhabarmall Binod Kumar,
Cole Road, Dibrugarh,
Assam.

Persons having knowledge & experience of salt manufacturing in Co-operative Societies

22. Shri Thakur Kaul Singh,
Moti Bazar, Mandi,
Himachal Pradesh.
23. Shri P. N. Dharkar, Member,
Maharashtra Legislative Council,
At & Post PEN, Dist. Raigad,
Maharashtra.

Persons representing Alkali Manufacturers

24. Shri M. A. Ramaswamy,
Dharangadhara Chemicals Works,
Armuganeri, Tamil Nadu.

Persons having knowledge & experience in public affairs

25. Shri O. M. Joshi, President, Falodi City Block Congress Committee (I), Rajasthan.
26. Shri S. Danraj, Jt. Secretary,
Coromandal Mini Salt Producers Association.
27. Shri A. P. C. V. Chockalingam,
French Chappal Road, Tuticorin,
V.O.C. District, Tamil Nadu.
28. Shri T. Padmanabhan,
Siddhi, Thanneermukkom (PO), Cherthala,
Alappuzha (Dt.), Kerala.
29. Salt Commissioner, Member Secretary.

NOTE : Representatives of the Ministries of Shipping and Transport and Commerce and State Trading Corporation may be invited to attend the meeting of the Board whenever necessary.

All members of Parliament who are the members of the Regional Advisory Boards for Salt may attend the meetings of the Board.

2. The functions of the Central Advisory Board will be to advise the Govt. of India on the administration of proceeds of the Salt Cess levied under Section 3 of the Salt Cess Act, 1953 and to make recommendations generally for measures conducive to the development of the salt industry, e.g.

- (i) Establishment and maintenance of research stations, model farms and salt factories;
- (ii) fixing the grades of salt and improving its quality;
- (iii) development of exports;
- (iv) promoting and encouraging co-operative efforts among the manufacturers of salt;
- (v) any other matter pertaining to the development of salt industry;
- (vi) promoting the welfare of labour employed in the salt industry.

3. (a) The Board will have a term of 3 years w.e.f. the date of issue of this Resolution.

(b) If the seat of a non-official member falls vacant, the Central Govt. shall make fresh nomination to fill up the vacancy for the unexpired portion of the term of the Board.

4. (a) If a nominated member is not in position to attend the meeting, he will intimate the fact in writing to the Chairman of the Board.

(b) The quorum for a meeting of the Board shall be three.

(c) Every non-official member attending the meeting of the Board or of a sub-committee duly constituted by the Board shall be entitled to travelling allowance and daily allowance as admissible under the rules or as approved by Central Govt. from time to time.

(d) The Salt Commissioner, Jaipur will be the controlling officer for the purpose of counter-signing of the travelling and daily allowance bills of the non-official members.

(e) A non-official member may resign his office by a letter addressed to the Chairman of the Board.

(f) If a non-official member leaves India, he shall intimate to the Chairman of the Board, before leaving India, the date of his departure from and the date of his expected return to India, and, if he intends to be absent from India for a period longer than six months, he shall tender his

resignation. If any such member leaves India without complying with the above, he shall be deemed to have resigned with effect from the date of his departure from India.

(g) A member shall be declared by the Chairman of the Board to have vacated his office :—

- (i) if he becomes insolvent, or
- (ii) if he is convicted of any offence, which, in the opinion of the Central Govt involves moral turpitude, or
- (iii) if he is absent from three consecutive meetings of the Board without leave of absence from its Chairman, or
- (iv) if, in the opinion of the Central Govt. it is undesirable, that he should continue to be a member of the Board.

(h) The Secretary of the Board, with the approval of the Chairman of the Board, may invite one or more non-official members of the Regional Advisory Boards for Salt or other persons to attend any meeting of the Board, and such members or persons shall be entitled to travelling allowance etc. as indicated under clause (c).

(i) The Board shall meet at such place and time as may be appointed by the Chairman.

(j) A notice shall be given to every member present in India of the time and place fixed for each ordinary meeting at least 15 days before such meeting and each member shall be furnished with a list of business to be disposed of at that meeting.

(k) Provided that when an emergent meeting is called by the Chairman, such notice shall not be necessary.

(l) No business which is not on the list, shall be considered by a meeting without the prior permission of the Chairman of the Board.

(m) The Chairman shall preside over the meeting of the Board at which he is present. If the Chairman is absent from any meeting, the Members shall elect a member as Chairman and the member so elected shall, at that meeting exercise all the powers of the Chairman.

(n) Every question at a meeting of the Board shall be decided by a majority of votes of the members present and voting on that question. In the case of an equal division of votes, the Chairman shall give an additional vote.

(o) The proceedings of each meeting of the Board shall be circulated to all members present in India and thereafter recorded in a Minute Book, which shall be kept for permanent record.

The record of the proceedings of each meeting shall be signed by the Chairman of the Board.

(p) Proposals for expenditure in a Region to be met from the proceeds of the Cess shall be considered first by the Regional Board, for this purpose, preliminary estimates detailing the proposals and its estimated cost together with other necessary data shall be prepared by the Regional Officers. The proposals together with the Regional Board's recommendation shall then be considered by the Central Board.

Works of developmental nature and Labour Welfare, costing up to Rs. Five lakhs each, may be approved for execution by the Regional Boards themselves without referring them to the Central Advisory Board for their final recommendations.

(q) The recommendations of the Central Advisory Board shall be submitted to the Central Govt. for acceptance after which detailed estimates shall be prepared. The estimates shall be sanctioned by competent authority.

(r) No act or proceeding of the Board shall be called in question on the ground merely of the existence of any vacancy in, or defect in the constitution of the Board.

ORDER

ORDERED that this Resolution be communicated to all State Governments, All Ministries of the Government of India, Planning Commission, Cabinet Secretariat and Prime Minister's Office.

2. ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India, Part-I, Section-I.

A. P. SINGH, Jt. Secy.

(DIRECTORATE GENERAL OF TECHNICAL DEVELOPMENT)

New Delhi, the 3rd March 1992

RESOLUTION

(Constitution of the Panel for Ferrous Casting Industry)
No. Fer.Ind.I/II(32)/9-9—In view of the growing demand/importance and the role of Ferrous Castings Industry has to play in supporting the Engineering and Capital Goods Sectors of the economy and having regard to the need for constant review of upgradation of technology, energy conservation, export promotion and environmental pollution control etc., in this sector, Government have decided to re-constitute the panel for Ferrous Castings Industry consisting of the following Members :—

Chairman

1. Shri P. C. Neogi,

Chairman & Managing Director,
M/s. HEC, Ranchi, Bihar.

Members

2. Shri R. M. Balani, IA, DGTD

3. Representative from Deptt. of ID

4. Shri Shali,
Joint Adviser,
Planning Commission,
Yojana Bhavan.

5. Shri V. K. Jain,
Director (Met)
Bureau of Indian Standards
Manak Bhavan, 9,
Bahadur Shah Zafar Marg,
New Delhi-110 002.

6. Representative from DC (SSI).

7. Prof. A. K. Patwardan,
Dept. of Metallurgical Engg.
University of Rourkela,
ROURKIE.

8. Prof. P. N. Chakraborty,
Director,
National Institute of Foundry and
Forging Technology,
HATTA-843 300.

9. The Secretary,
Confederation of Engg. Industry.

10. The President,
The Institute of Indian Foundryment,
1st Floor, 4/2, Middleton Street,
CALCUTTA-700 001.

11. Shri P. M. Rajgopal,
Dy. General Manager,
M/s. Mukund Ltd.,
Lal Bahadur Shastri Marg,
Kurla, BOMBAY-400 070.

12. Shri D. Vasudeva Rao,
Managing Director,
Ennor Foundries Ltd.,
Ennore, Madras-600 057.
13. Shri D. K. Dikshit,
Vice President,
M/s. Mysore Kirloskar Ltd.,
P.O. Yantrapur,
HARIHAR-577 602.
14. Shri K. C. Mathew,
Dy. General Manager,
M/s. Autocast Ltd.,
S. N. Puram,
P.O. SHERTALLAY-688 582.
15. Shri T. Kumar,
Technical Director,
M/s. Steelcast Bhavnagar (P) Ltd.,
Bhavnagar,
Gujarat.
16. Shri P. Krishnamurthy,
M/s. Shivananda Steels Ltd.,
Industrial Estate, Ambattur,
MADRAS-600 058.
17. Shri B. L. Shaw,
Managing Director,
M/s. Nagpur Alloy Castings Ltd.,
F-8, MIDC Industrial Area,
Hingna Road,
NAGPUR-440 016.
18. Dr. P. S. Pattihai,
Divisional Manager (Foundry),
M/s. Tata Engineering & Locomotive Co. Ltd.,
JAMSHEDPUR-831 010.
19. Dr. P. N. Bhagwati,
Chairman,
M/s. Bhagwati Spherocast Ltd.,
1, Krishna Society, Ellisbridge,
AHMEDABAD-380 006.
20. Prof. H. Md. Roshan,
Deptt. of Metallurgical Engg.,
Indian Institute of Technology,
MADRAS.
21. Shri F. D. Neterwalla,
Director,
M/s. Uniferro International Ltd.,
'Liberty Building',
Sir Vithaldas Thakersey Marg,
BOMBAY-400 020.
22. Shri H. B. Shah,
Chairman,
M/s. Simplex Castings Ltd.,
1515, Hemkunt Tower,
98, Nehru Place,
New Delhi-110 019.

Member Secretary

23. Shri Udayan Sen,
Development Officer, D.G.T.D.
3. The terms of reference of the Panel are :—

- (a) To consider the present setatus and perspectives of the industry and to recommend measures for its growth keeping in view the development programme of the related sectors such as Automobiles, Machine Tools, Industry Machinery amongst others.
- (b) To evaluate the present level of technology and to recommend measures to bring the same at par with the international levels specially in the areas of quality control, energy material conservation

yield, pollution control, improvement of productivity etc.

- (c) To examine the extent to which standardisation has been achieved and evolve specific programmes for further standardisation in consultation with the ISI for which a few major users sector would be identified.
- (d) To focus on new aim to modernise the foundry industry.
- (e) To recommend measures for increasing exports.
- (f) To research & development.
- (g) Any other aspects related to the health and growth of the industry.

4. The term of the panel will be 2 years.

5. This Advisory Panel will be meeting to review the position at least once in six months and more frequently, if occasion arises at such places as may be decided by the Chairman of the Panel.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

2. ORDERED also that a copy of the Resolution be published in the Gazette of India.

Sd/- ILLEGIBLE
Director (Admn.)

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF CULTURE)

New Delhi, the 29th January 1992

RESOLUTION

No. F.15-4/90-CH.1.—In partial modification of this Department's order No. F.7-10/82-CH.1 dated the 4th October, 1988, the Govt. of India, in pursuance of Rule 3(viii) of the Rules and Regulations of the Rashtriya Manav Sangrahalaya Samiti, hereby nominates Shri Ram Sharan Joshi as member of the Rashtriya Manav Sangrahalaya Samiti vice Shri G. Aravindan with immediate effect for a period of five years or till the Samiti is reconstituted, whichever is earlier.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be sent to the Director, Rashtriya Manav Sangrahalaya, Sector E/3, Arera Colony, P.B. No. 7, Tawa Housing Board Complex, Bhopal-462016 and that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. MISHRA, Jt. Secy.

RESOLUTION

New Delhi, the 14th February 1992

No. F.32-34/84-Lib.—In partial modification of Department of Culture Resolution No. F.32-34/84-Lib.(P&A) dated 15-11-90, the following changes are hereby notified in the said Resolution constituting the Indian Historical Records Commission :—

1. Para 3.A—*Exfficio Members*
Minister of State for Human Resource Development,
Government of India

May be read as Minister for Human Resource Development,
Government of India

2. Additional Secretary,
Department of Culture,
Government of India
at Sr. No. (3)

Stands deleted.

8. Shri M. B. Ramamurthy,
DDG (Vig)

9. Shri A. M. Joshi,
Wireless Adviser

10. Shri S. K. Pandey,
Sr. DDG (CS)

Convenor

11. Shri S. M. Gambhir,
DDG (TFS).

II.6.1—Composition of Standing Committee

(6) Additional Secretary
to the Government of India,

Department of Culture
(*Ex-Officio* Vice-Chairman)

Stands deleted.

III. Para 7

Lines 3-5 portion "Additional Secretary Department
of Culture (*Ex-Officio* Vice-Chairman of the Stand-
ing Committee) *Stands deleted.*

ORDER

ORDERED that a copy of the resolution be communicated
to Director General of Archives, National Archives of
India, New Delhi.

ORDERED also that the resolution be published in the
Gazette of India for general information.

N. SIKDAR, Dy. Educational Advisor (CH)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS (TELECOM COMMISSION)

New Delhi-110001, the 4th November 1991

Subject: Constitution of a Committee to review the
Indian Telegraph Act, 1885 and to recommend
suitable amendments.

No. 2-1/91-TCO.—The Indian Telegraph Act, 1885
contains provisions for regulating the maintenance and
operation of Telecom and Telegraph services in the country.

2. The Act was published in the year 1885 and during
the past over one hundred years of its operation difficulties
have been experienced in the operation of certain provisions
in the context of changed circumstances after independence
of the country in the year 1947 and promulgation of the
Constitution of India in 1950. There have also been
far-reaching changes in the state of technology and the scope
of value-added services as well as in the policy of the
Government regarding provision of Telecom Services. Hence
it has become necessary to consider comprehensively the
various provisions of the Indian Telegraph Act so as to
recast it as a forward-looking piece of legislation. The
Government has, therefore, decided to appoint a Committee
to look into the matter and make suitable recommendations.

3. The Members of the Committee will be :

Chairman

1. Shri D. N. Nanda,
Rtd. Member, Telecom.
Commission.

Members

2. Shri G. T. Narayan,
Adviser (Operation)
3. Shri B. N. Bhagwat,
Addl. Secretary.
4. Dr. M. K. Mishra,
Consultant, M/o Law, Justice & Company Affairs.
5. A representative of the Deptt. of Public
Grievances
6. Shri R. C. Rastogi,
Sr. DDG (Finance)
7. A representative of
Ministry of Home Affairs
(Intelligence Bureau)

4. The terms of Reference of the Committee are as
follows :

- (i) To examine the basic framework of the Act with
reference to the various developments in the Tele-
com. field.
- (ii) To suggest abolition of redundant clauses which
are no longer operative.
- (iii) To suggest incorporation of new clauses to suitably
deal with the operation and maintenance of services,
which are not covered by old Act.
- (iv) To suggest amendments in the existing provisions
to make them more meaningful and effective for
running the Telecom services.
- (v) To suggest amendments in the provisions relating
to interception of Telephones in the context of
right to privacy as upheld by Constitution of India.
- (vi) To consider provisions by which unauthorised di-
version of telecom lines becomes a cognizable
offence.
- (vii) To consider other amendments which in the opinion
of the Committee are appropriate for improvement
in Telecom services.

5. The Committee may seek the help of any other
personnel or agencies in the discharge of its assignment and
Co-opt other members, if necessary. The Committee may
submit its report alongwith draft legislation within six
months.

6. The non-official members of the Committee would be
entitled to travelling allowances as per Ministry of Finance
O.M. No. F.6(26)-E.IV/59 dated 5-9-1960, as amended
from time to time and other facilities necessary for carrying
out the assignment.

The 28th February 1992

ADDENDUM

Subject: Constitution of a Committee to review the
Indian Telegraph Act, 1885 and to recommend
suitable amendments.

No. 2-1/91-TCO.—The following shall be inserted as
clause (viii) at the end of para 4, in terms of reference
of the Committee in the Notification issued on 4th Novem-
ber, 1991.

To consider relevance of continuance of Indian Wireless
Telegraphy Act, 1933 and the Telegraph Wires (unlaw-
ful possession) Act, 1950 as separate acts or whether
they should be brought within the framework of Indian
Telegraph Act, 1885 with suitable amendments.

R. RAMANUJAM, Jt. Secy. (A & P)

**MINISTRY OF POWER & NON-CONVENTIONAL
ENERGY SOURCES**

(DEPARTMENT OF POWER)

New Delhi-110001, the 26th February 1992

RESOLUTION

No. 11011/5/90-Hindi.—In supersession of this Department's Resolution No. 11011/1/85-Hindi dated 31-7-86, Government of India have decided to reconstitute the Hindi Advisory Committee of the Ministry of Power & Non-conventional Energy Sources (Department of Power). The composition and function of the reconstituted Committee shall be as follows :—

Chairman

Composition

Minister of State for Power and
Non-conventional Energy Sources
(Independent Charge)

Members

Members of Parliament from Lok Sabha

1. Shri S. S. Solanki
2. Shri Guman Mal Lodha

Members of Parliament from Rajya Sabha

3. Smt. Manorama Pandey
4. Shri Vishwasrao Rama Rao Patil

Members of Parliament nominated by Parliamentary Committee on Official Language

5. Chowdhary Harmohan Singh (Rajya Sabha)
6. Shri Chun Chun Prasad Yadav (Lok Sabha)

Representative of Kendriya Sachivalaya Hindi Parishad

7. Shri Mahadev Subramanian,
Retired Secretary to the Govt. of India,
Adhyaksha, Paramarsh Samiti,
Kenkdriya Sachivalaya Hindi Parishad.

Hindi Scholars nominated by the Department

8. Adhyaksha, Rashtra Bhasha Prachar Samiti
(Wardha), Maharashtra.
9. Shri Avdhesh Kumar Singh,
C-19/102, Kashi Vidya Peeth,
Varanasi (U.P.).
10. Shri Ramashraya Pandey,
Ex-Principal,
Sarvodaya Degree College,
Ghosi, Distt. Mahu (U.P.).
11. Shri Darshan Singh Yadav,
127, New Colony,
Etawah (U.P.).
12. Smt. Kanta Shukla,
19-D, Rajaji Puram,
Lucknow (U.P.).

Members nominated by Ministry of Home Affairs (Department of Official Language)

13. Shri Ravindra Kumar, Professor,
A-4, Adhyapak Kuteer,
M. S. University of Baroda,
Baroda (Gujarat).

14. Dr. Bilal Paswan Shastri,
Writer and Chairman,
Bihar College Sewa Ayog,
Boring Road, Patna (Bihar).

15. Smt. S. Mahalakshamma,
Karnatak Hindi Sewa Samiti,
1734, Main Road, Chamrajpet,
Bangalore-560018.

OFFICIAL MEMBERS

Department of Official Language

16. Secretary, Department of Official
Language and Hindi Adviser to the
Government of India.
17. Joint Secretary, Department of
Official Language.

Department of Power

18. Secretary (Power)
19. Special Secretary (Power)

**Representatives of Offices/Public Sector Undertakings etc.
under the administrative control of Department of Power**

20. Chairman,
Central Electricity Authority,
Sewa Bhavan, R. K. Puram,
New Delhi.
21. Chairman and Managing Director,
National Thermal Power Corporation,
SCOPE Building, C.G.O. Complex,
Lodhi Road, New Delhi.
22. Chairman and Managing Director,
National Hydroelectric Power Corporation,
Hemkunt Tower, Nehru Place,
New Delhi.
23. Chairman and Managing Director,
Power Finance Corporation,
Chandralok Building, Janpath,
New Delhi.
24. Chairman and Managing Director,
Rural Electrification Corporation,
D. D. A. Building, Nehru Place,
New Delhi.
25. Chairman and Managing Director,
National Power Transmission Corporation,
Hemkunt Chambers, Nehru Place,
New Delhi.
26. Chairman,
Nathpa Jhakri Power Corporation,
Bhai Veer Singh Sahitya Sadan,
Gole Market, New Delhi.

27. Chairman and Managing Director,
Tehri Hydro Power Development Corporation,
Vikram Tower, 15th Floor,
Rajendra Place, New Delhi.

28. Director General,
Power Engineers Training Society,
Chiranjiv Tower, Nehru Place,
New Delhi.

29. Secretary,
Beas Construction Board,
45, Kaka Nagar,
New Delhi.

30. Chairman,
Bhakra Beas Management Board,
Sector 19-B, Madhya Marg,
Chandigarh.

31. Chairman,
Damodar Valley Corporation,
Bhabani Bhawan, Alipore,
Calcutta-27.

32. Director General,
Central Power Research Institute,
Post-Box-1242,
Bangalore-560012.

33. Chairman and Managing Director,
North Eastern Electric Power Corporation,
Bawari Mansion, Dhankheti,
Shillong (Meghalaya).

34. Controller of Accounts,
Department of Power,
Sewa Bhavan, R. K. Puram,
New Delhi.

35. Director,
Energy Management Centre,
118-Ashirvad, D-1, Green Park,
New Delhi.

Member-Secretary

36. Joint Secretary (In-charge of Hindi work)
Department of Power.

II. FUNCTIONS OF THE COMMITTEE

The Committee will advise the Ministry of Power and Non-conventional Energy Sources (Department of Power) and its attached/subordinate offices and Public Sector Undertakings/Societies/Boards under the administrative control of the Department on the matters relating to progressive use of Hindi for official purposes and allied issues.

The Committee may nominate additional members as co-opted members and invite experts to attend its meetings as may be necessary.

III. TENURE OF COMMITTEE

The term of office of the members of this Committee will be three years from the date of its constitution, provided that :

(a) A Member of Parliament nominated to the Committee shall cease to be a member of this Committee as soon as he ceases to be a Member of Parliament.

(b) The Ex-Officio Members of the Committee shall continue so long as they hold office by virtue of which they have gained the membership of the Committee.

(c) The Member appointed against a vacancy caused due to resignation, death etc., of any member shall be for the remaining period of three years only.

IV. TRAVELLING ALLOWANCE AND OTHER ALLOWANCES

Non-official members of the Committee shall be paid Travelling Allowance and Daily Allowance at the rates prescribed by the Government from time to time and admissible under rules for attending meetings of the Committee.

V. HEADQUARTERS

Headquarters of the Committee will be at New Delhi.

ORDER

It is ordered that a copy of this Resolution may be sent to all Members of the Committee, all State Governments and Union Territory Administrations, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Ministry of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, President's Secretariat, Planning Commission, Comptroller and Auditor General of India and all Ministries and Departments of the Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

J. D. MEHTANI
Jt. Secy.

MINISTRY OF MINES

New Delhi, the 1st November 1991

RESOLUTION

No. 12/1/91-MVI.—In supersession of this Ministry's Resolution No. 12 (3)/87-MVI dated 30th March, 1987, the Government of India have decided to reconstitute the Mineral Advisory Council with immediate effect. The composition and functions of the Mineral Advisory Council as reconstituted will be as follows :—

COMPOSITION

Chairman

1. Minister of State in the Ministry of Mines.

Members

2. Member of Parliament (Lok Sabha).

3. Member of Parliament (Rajya Sabha).

4. Secretary, Ministry of Mines, New Delhi.
 5. Addl. Secretary, Ministry of Mines, New Delhi.
 6. Director General, Geological Survey of India, Calcutta.
 7. Controller General, Indian Bureau of Mines, Nagpur.
 8. Director-General of Mines Safety, Dhanbad.
- One representative of each of the :
9. Ministry of Commerce, New Delhi.
 10. Ministry of Finance, New Delhi.
 11. Ministry of Railways, New Delhi.
 12. Planning Commission, New Delhi.
 13. Ministry of Coal, New Delhi.
 14. Ministry of Steel, New Delhi.
 15. Ministry of Industry, New Delhi.
 16. Ministry of Environment & Forest, New Delhi.
 17. Department of Ocean Development, New Delhi.
 18. Mineral and Metals Trading Corporation, New Delhi.
 19. Mineral Exploration Corporation Ltd., Nagpur.
 20. COSMIC (Council of State Mineral Corporation).

Permanent Members

21. Government of Bihar.
22. Government of Orissa.
23. Government of Madhya Pradesh.
24. Government of Rajasthan.
25. Government of Karnataka.
26. Government of Goa.
27. Government of Andhra Pradesh.
28. Government of Maharashtra.
29. Government of Gujarat.

Member by rotation in alternate years

30. Government of West Bengal
or
Meghalaya.
31. Government of Tamil Nadu
or
Kerala
32. Government of Uttar Pradesh
or
Delhi Administration.
33. Government of Punjab
or
Haryana.
34. Government of Jammu & Kashmir
or
Himachal Pradesh.

35. Government of Assam
or
Nagaland.
 36. Federation of Indian Mineral Industries,
New Delhi.
 37. Eastern Zone Mining Association.
By rotation
 38. Indian Ferro-Alloys Producers Association,
Bombay.
or
All India Granite & Stones Association, Bangalore.
 39. Federation of Mining Association of Rajasthan,
Jaipur
or
Gujarat Mineral Industry Association,
Ahmedabad.
 40. Goa Mineral Ore Exporters Association, Goa
or
The Organisation of Mines owners,
Bellary-Hospet Sector.
 41. Cement Manufacturer's Association,
Bombay
or
Indian Re-fractory Makers Association,
Calcutta.
 42. Kodarma Mica Mining Association
or
South India Mica Mine Owner Association, Gudur,
Andhra Pradesh.
 43. Mining, Geological and Metallurgical Institute of
India, Calcutta.
 44. National Metallurgical Laboratory,
Jamshedpur.
 - 45 to 48. Four members in Public life to be nominated
by Minister of State.
- Member Secretary*
49. Joint Secretary,
Ministry of Mines.

FUNCTIONS

1. To advise on exploration of minerals in land and
in offshore areas.
2. To advise on the production, internal distribution
and consumption of minerals.
3. To advise on the export and import of minerals.
4. To advise on the issues relating to human resources
development and research and development in the
mineral sector.
5. To advise on the measures necessary for protection/
restoration of environment and ecology against

adverse effects caused by mining operations.

6. To advise on mineral policy and legislation.

7. To bring to the notice of Government of India for their consideration any points or importance which may arise in the course of the Council's deliberations.

TENURE

The tenure of the Council will be 4 years unless specially extended by the Central Government.

ORDER

ORDERED that this Resolution be communicated to all the State Governments, the several Ministries of the Government of India, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Ministry of Parliamentary Affairs, Planning Commission, Comptroller and Auditor General of India, Accountant General, Central Revenues, Controller-General, Indian Bureau of Mines, Director-General Geological Survey of India, Calcutta, Department of Atomic Energy, Ministry of Environment and Forest, Department of Ocean Development, Mineral and Metal Trading Corporation.

The 19th February 1992

No. 12(I)91-MVI.—In continuation of this Ministry's Resolution No. 12(I)91-MVI dated 1-11-91 the Govt. of India have further decided to nominate the following

4 persons from public life against entry No. 45 to 48 in the composition of the Mineral Advisory Council :—

45. Shri Surinder Golcha,
C/o Golcha Group,
C-83 Prithviraj Road,
Jaipur.

46. Dr. Gaur Hari Singhania,
Kamla Tower,
Kanpur.

47. Shri Anil Khaitan,
A-123 Satya Bhavan,
Neeti Bagh,
New Delhi-48.

48. Ms. G. Tulsidevi,
104, Janak Apartments,
Pasha Court, Panjagutta,
Hyderabad.

ORDER

ORDERED that this Resolution be communicated to all the State Governments, the several Ministries of the Government of India, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Ministry of Parliamentary Affairs, Planning Commission, Controller and Auditor General of India, Accountant General, Central Revenues, Controller General, Indian Bureau of Mines, Director General Geological Survey of India, Calcutta, Department of Atomic Energy, Ministry of Environment and Forest, Department of Ocean Development, Mineral and Metal Trading Corporation.

S. N. MISHRA, Joint Secy.

